तापमान
अधिकतम 32 .0 डिग्री
न्यूनतम 19 .0 डिग्री

हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि

रोहतक, रविवार 29 मार्च 2026

10 इमरजेंसी वार्ड में डॉक्टर ड्यूटी रूम और रैस्ट रूम....

10 इंडस स्कूल में वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित

Now at WOODSTOCK PUBLIC SCHOOL
ADMISSIONS OPEN 2026-27
अब आपके जींद शहर में अब
PHYSICS WALLAH JIND
IIT-JEE | NEET
FOUNDATION
Class 8th to 12th
ASHRAFGARH, GOHANA ROAD, JIND | M. 7988579792

खबर संक्षेप

रंजिशन हमला करने पर चार के खिलाफ केस दर्ज

जींद। पुराना बस अड्डा नरवाना के निकट रंजिशन हमला कर युवक को घायल करने पर शहर थाना नरवाना पुलिस ने चार युवकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव सुदकैन कलां निवासी राकेश ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह कार्यवश नरवाना पुराना बस अड्डा गया हुआ था। उसी दौरान रंजिश के चलते चौपड़ापत्ति निवासी प्रदीप, शहंशाह तथा दो अन्य ने उस पर हमला कर दिया।

प्लाट विवाद में किया हमला, तीन पर केस

जींद। गांव निर्जन में प्लाट विवाद के चलते हमला कर व्यक्ति को घायल करने पर सिविल लाइन थाना पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव निर्जन निवासी अमरनाथ ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गांव के कुलदीप के साथ प्लाट को लेकर विवाद चला आ रहा है। वह पशुओं के लिए चारा काट रहा था। उस दौरान कुलदीप प्लाट में बल्ली गाड़ रहा था। जिस पर उसने एतराज जताया तो वह चला गया।

विधायक बूथ नंबर 177 पर सुनेंगे मन की बात कार्यक्रम

उचाना। 29 मार्च को कसूहन गांव के बूथ नंबर 177 पर भाजपा विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री कार्यकर्ताओं के साथ मन की बात कार्यक्रम को सुनेंगे। मार्केट कमेटी चेयरमैन सुरेंद्र खरकभूरा ने बताया कि माह के अंतिम रविवार को पीएम मोदी मन की बात कार्यक्रम के तहत देश की जनता को संदेश देते है। ये कार्यक्रम का 132वां संस्करण है। कार्यकर्ताओं के साथ इस संस्करण को विधायक सुनेंगे।

कार की टक्कर से राहगीर की मौत

जींद। नरवाना के टोहाना रोड पर तेजरफ्तार कार की टक्कर से एक युवक की मौत हो गई। घटना को अंजाम देकर चालक मौके से फरार हो गया। शहर थाना नरवाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर फरार वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। टोहाना रोड बस्ती निवासी राजेश (34) दुकान से सामान खरीद कर घर की तरफ लौट रहा था। उसी दौरान खनौरी की तरफ से आ रही तेज रफ्तार कार ने राजेश को टक्कर मार दी।

चबूतरों को तोड़ने के लिए दुकानदारों को दिए नोटिस

नरवाना। नरवाना के अपोलो चौक पर आज नगर परिषद के कर्मचारी नालों के ऊपर बने चबूतरो को तोडऩे के लिए नोटिस देते हुए दिखाई दिए। प्राप्त जानकारी के अनुसार आज ओल्ड कोर्ट रोड एवं अपोलो चौक पर नगर परिषद के कर्मचारियों ने आज सभी दुकानदारों को नालों के ऊपर दोनों साइड बने हुए चबूतरे रैंमप पैड़ी इत्यादि को तोडऩे के लिए एक हफ्ते का नोटिस दे दिया।

लकड़ी चोरी मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

कैथल। लकड़ी चोरी के मामले में पूंडरी पुलिस ने 2 आरोपितों को काबू किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि लकड़ी चोरी मामले की जांच थाना पूंडरी पुलिस के एचसी सुमित द्वारा करते आरोपी अर्जुन नगर निवासी संदीप व कृष्ण को काबू कर लिया। बता दें कि बृजलाल वन रक्षक इंचार्ज पूंडरी बीट की शिकायत अनुसार पाई के पास बोलेरो गाड़ी में लकड़ी चोरी कर लादी जा रही थी।

कर्मचारियों से गैस सप्लाई को लेकर संतोषजनक जवाब नहीं मिल रहा

गैस किल्लत से बिफरे उपभोक्ताओं ने गोहाना सड़क मार्ग पर लगाया जाम

सिविल लाइन थाना पुलिस ने मौके पर पहुंच खुलवाया जाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

घरेलू गैस सिलेंडर किल्लत के चलते शनिवार को गुस्साए उपभोक्ताओं ने पुलिस क्वाटरों के सामने गोहाना रोड पर जाम लगा दिया। उपभोक्ताओं का कहना था कि सुबह से लाइन में लगे हैं। उन्हें गैस सिलेंडर नही मिल रहे है। जाम लगने की सूचना पाकर सिविल लाइन थाना प्रभारी मौके पर पहुंच गई और उपभोक्ताओं को शांत करवा जाम खुलवाया। देवीलाल ग्राउंड में पारस गैस एजेंसी उपभोक्ताओं का शनिवार को उस समय गुस्सा फूट पड़ा जब प्रयाप्त संख्या में गैस सिलेंडर नही पहुंचे। खफा उपभोक्ता पुलिस कालोनी के सामने गोहाना रोड पर आ गए और जाम लगा दिया। उपभोक्ताओं का कहना था कि गैस किल्लत जबरदस्त बनी हुई है। गैस सिलेंडर लेने के लिए उन्हें शहर के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। उनकी पहले पर्ची कटी हुई है। कभी गैस सिलेंडरों की सप्लाई नही आती तो कभी कम संख्या में गैस सिलेंडर आ रहे हैं। मजबूरी में अलसुबह लाइन में लगना पड़ रहा है। सौ से ज्यादा उपभोक्ता सिलेंडर लेने आए हुए।

जींद। जाम लगाए उपभोक्ता।

जींद। वीसी में भाग लेते हुए डीसी। फोटो :हरिभूमि

उपभोक्ताओं की पर्ची कट रही ज्यादा, गैस सिलेंडर आ रहे कम

जिले में पेट्रोल, डीजल- घरेलू गैस की कोई कमी नहीं : डीसी

ईंधन का अनावश्यक भंडारण न करें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा ने कहा कि जिला में पेट्रोल, डीजल व एलपीजी गैस की कोई कमी नहीं है और सभी प्रकार के ईंधन पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। आमजन से अपील की कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और अनावश्यक रूप से ईंधन का भंडारण न करें। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश के सभी उपायुक्तों के साथ पेट्रोल, डीजल व गैस आपूर्ति की समीक्षा बैठक की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस विषय पर देश के सभी मुख्यमंत्रियों के साथ वीसी के माध्यम से दिशा-निर्देश जारी किए थे। वीसी के उपरांत उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले में ईंधन की कालाबाजारी पर कड़ी नजर रखी जाए। कहा कि लोग घबराहट में आकर ईंधन का अनावश्यक भंडारण न करें। इससे अन्य उपभोक्ताओं को असुविधा होती है। आमजन उतना ही ईंधन खरीदें, जितनी वास्तविक आवश्यकता होए ताकि सभी को समान रूप से उपलब्धता सुनिश्चित हो सके। उपायुक्त ने कहा कि जिले में एलपीजी गैस, पेट्रोल व डीजल की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है और किसी प्रकार की कमी नहीं है। गैस सिलेंडरों की जमाखोरी व कालाबाजारी रोकने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है तथा संबंधित अधिकारी नियमित निगरानी कर रहे हैं। किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने या अफवाह फैलाने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। नागरिकों से अपील की कि वे पहले की तरह आवश्यकता अनुसार ही एलपीजी गैस बुकिंग करें और भय मे आकर अतिरिक्त बुकिंग न करें। जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक राजेश कुमार आर्य ने जानकारी देते बताया कि जिला जींद में घरेलू गैस सिलेंडरों की आपूर्ति सुचारू रूप से की जा रही है। जिले की 24 गैस एजेंसियों के माध्यम से प्रतिदिन 5976 उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

सप्लाई का स्टॉक खत्म

जबकि गैस सिलेंडर काफी कम पहुंचे हैं। अब वे गैस सिलेंडरों का इंतजार करें या अपने घर वापस जाए। अब और गैस की सप्लाई आज आएगी या नही इसकी भी तसल्ली नही है। कर्मचारी गैस सप्लाई को लेकर संतोषजनक जवाब नही मिल रहा है। सभी काम छोड़ कर उन्हें गांव से सुबह सप्लाई स्थल पर पहुंचा पड़ रहा है। पहले सप्लाई आने का इतंजार करना पड़ रहा है। फिर उन्हें गैस सिलेंडर मिलेगा या नही इसकी भी तसल्ली नही। उनका नंबर आने से पहले सप्लाई का स्टॉक खत्म हो चुका होता है। जाम लगने की सूचना पाकर सिविल लाइन थाना प्रभारी पूजा मौके पर पहुंच गई। सिविल लाइन थाना प्रभारी पूजा ने बताया कि गैस सिलेंडरों को लेकर उपभोक्ता सड़क पर आ गए थे। उन्हें समझा-बुझा कर शांत कर दिया। जिसके बाद उपभोक्ता चले गए।

मैरिज पैलेस स्टोर में लगी आग, काफी सामान जला

तीन फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने पाया काबू

- आग भड़कने से कुछ समय पहले ही भगवत कथा हुई थी संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

सैक्टर सात के निकट निजी मैरिज पैलेस में शनिवार दोपहर बाद अचानक आग भड़क उठी। गनीमत यह रही कि आग भड़कने से कुछ समय पहले भगवत कथा संपन्न हुई थी। घटना की सूचना फायर बिग्रेड की तीन गाडियां तथा सिविल लाइन थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई और कड़ी मशक्त के बाद आग पर काबू पाया। आग लगने के पीछे शार्ट सर्किट बताया जा रहा है। आगजनी से स्टोर में रखा सामान जल गया और पैलेस को भी नुकसान पहुंचा है। सैक्टर सात के निकट शनिवार दोपहर बाद मैरिज पैलेस के स्टोर में आग भड़क उठी। मौके पर मौजूद लोगों ने आग पर काबू पाने की कोशिश भी की। लेकिन तेजी से फैलने लगी। सूचना पाकर सिविल लाइन थाना पुलिस तथा फायर बिग्रेड की तीन गाडिय़ा मौके पर पहुंच गई और आधे घंटे की मशक्त के बाद आग पर काबू पाया। बताया जा रहा है कि स्टोर में सजावट, बर्तन, मेट व अन्य सामान था। जो जल गया। आगजनी से कुछ समय पहले पैलेस मे भगवत कथा संपन्न हुई थी। कुछ ही लोग वह पर थे। जिन्होंने स्टोर से आग की लपटे उठती दिखाई दी। बताया जाता है कि आग के पीछे कारण शार्ट सर्किट रहा है। आगजनी की घटना मे स्टोर मे रखा सामान तो जल ही गया। साथ मे पैलेस को भी काफी नुकसान पहुंचा है।

जींद। मैरिज पैलेस में लगी आग।

व्यक्ति का शव गली-सड़ी हालात में मिला

जींद। गांव लुदाना लगभग एक सप्ताह पहले से गायब हुए व्यक्ति का शव हैचरी से कुछ दूरी पर गली सड़ी हालात में पानी की नाली से बरामद हुआ है। व्यक्ति की मौत कैसे हुई, इसका खुलासा पोस्टमॉटम रिपोर्ट आने के बाद हो पाएगा। पिल्लूखेड़ा थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव लुदाना खेतों में बनी हैचरी से कुछ दूरी पर आ रही बदबू ने शनिवार को लोगों ध्यान खींचा। जब उन्होंने जा कर देखा तो पानी की नाली में गला सड़ा पड़ा हुआ था। शव पांच से छह दिन पुराना दिखाई दे रहा था। शव मिलने की सूचना पाकर पिल्लूखेड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई और हालातों का जायजा लिया और शव को कब्जे में लिया। मृतक की शिनाख्त गांव लुदाना निवासी जगबीर (55) के रूप में हुई। जगबीर बिना बताए गत 21 मार्च को घर से गायब हो गया था। परिजनों ने जगबीर का तलाशा भी। रिश्तेदारियों में ढूंढा भी लेकिन उसका कोई सुराग नही लगा। गत 22 मार्च को जगबीर के बेटे रोहताश ने पिल्लूखेड़ा थाना पुलिस में गुमशुदगी की रपट दर्ज करवाई। जगबीर की मौत कैसे हुई, इसके पीछे क्या कारण रहे, इसका खुलासा पोस्टमार्टम रिर्पोट आने के बाद हो पाएगा। शव की गली सड़ी दशा को देखते हुए पोस्टमार्टम के लिए पीजीआई रोहतक रेफर किया गया है। पिल्लूखेड़ा थाना के जांच अधिकारी बिजेंद्र ने बताया की व्यक्ति सप्ताह से गायब था। जिसकी रपट दर्ज है। मौत कैसे हुई, इसका खुलासा पोस्टमॉटम रिपोर्ट आने के बाद हो पाएगा। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

कैथल। थार गाडी को इंपाउंड करती पुलिस टीम। फोटो :हरिभूमि

209 वाहनों के चालान चार मोटरसाइकिल जब्त

कैथल। यातायात पुलिस ने शुक्रवार को 209 वाहनों के चालान किए गए, जबकि बिना नंबर प्लेट की 4 बाइकों को इंपाउंड किया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि चालान किए मामलों में सबसे अधिक बिना हेलमेट वाहन चलाने के 126 मामले सामने आए। इसके अलावा अवैध पार्किंग के 27, दोपहिया वाहन पर तिहरी सवारी के 28, वाहन चलाते समय फोन इस्तेमाल करने के 2, तथा मॉडिफाइड बुलेट साइलेंसर का 1 चालान शामिल है। बिना नंबर प्लेट के वाहनों के खिलाफ विशेष सख्ती बरतते चार बाइको को मौके पर इंपाउंड कर लिया गया। पुलिस द्वारा स्पष्ट किया कि सड़क पर अवैध तरीके से वाहन खड़ा करने से यातायात व्यवस्था बाधित होती है, जिससे आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ता है और दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ जाता है। ऐसे में अवैध पार्किंग करने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी रहेगी। एसपी मनप्रीत सिंह सूदन ने कहा कि "सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करना हम सभी की जिम्मेदारी है। ट्रैफिक नियमों की अनदेखी किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बिना नंबर प्लेट, बिना हेलमेट और नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

थार का ₹21 हजार 500 का चालान, गाड़ी इंपाउंड

पुलिस ने थार गाड़ी का 21500 रुपये का चालान कर इंपाउंड कर लिया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि ट्रैफिक एसएचओ इंस्पेक्टर सतपाल के नेतृत्व में टीम द्वारा करनाल रोड, कैथल पर चेकिंग के दौरान थार को रोका, जिसमें तेज आवाज में बड़े स्पीकर बजाए जा रहे थे। जांच के दौरान पाया कि वाहन में मॉडिफाइड टायर, बड़े साउंड सिस्टम (स्पीकर) तथा बिना निर्धारित पैटर्न की नंबर प्लेट लगी हुई थी, जो ट्रैफिक नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है।

स्नेचिंग मामलों में संलिप्त दो आरोपित गिरफ्तार

कैथल। एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टाफ ने त्वरित एवं सटीक कार्रवाई करते स्नेचिंग मामलों में संलिप्त 2 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों से पूछताछ दौरान स्नेचिंग की 4 वारदात सुलझी है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 26 मार्च को नरवल निवासी राहुल से जाखौली अड्डा के पास बाइक सवार युवकों ने मोबाइल फोन छीन लिया तथा फरार हो गए। जिस बारे थाना शहर में मामला दर्ज किया गया। मामले की जांच एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टाफ प्रभारी एसआई प्रदीप कुमार की अगुवाई में एसआई शुमकरण व एएसआई जसमेर सिंह की टीम द्वारा करते त्वरित कार्रवाई दौरान आरोपी खुराना रोड़ कैथल निवासी अनुज तथा हरि नगर निवासी देव को ग्योंग रोड़ कैथल से काबू कर लिया। पूछताछ दौरान आरोपियों ने उक्त वारदात सहित कैथल में कुल 4 स्नैचिंग की वारदात कबूल की।

तीन बुलेट चालकों पर 41 हजार जुर्माना ठोका

कैथल। पटाखे की आवाज निकालने वाले मॉडिफाइड साइलेंसर युक्त बुलेट चालकों पर शिकंजा कसा जा रहा है। ये चालक साइलेंसर चेंज करवा कर पटाखे बजाकर तथा अन्य बाइक चालक प्रेशर हॉर्न लगवा कर दहशत फैलाने का काम करते है। ऐसे बाइक चालको पर सख्त एक्शन लेने के लिए एसपी मनप्रीत सिंह सूदन द्वारा आदेश दिए गए है। इसी कड़ी में क्यू आर टी पुलिस टीम इंचार्ज एएसआई राजेश की टीम द्वारा पटाखे बजा रही दो बाइको को चीका रोड कैथल व पाडला रोड कैथल से काबू किया गया। नियमानुसार कार्रवाई तहत दोनों बाइको का 10500-10500 का चालान किया गया। तीसरे मामले में ट्रैफिक एसएचओ इंस्पेक्टर सतपाल की टीम द्वारा चालक को काबू किया। उक्त चालक नशे में था। और 20 हजार का चालान किया।

डिजिटल अरेस्ट के नाम पर 98. 25 लाख रुपये की ठगी करने का आरोपित गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

पुलिस द्वारा साइबर अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना साइबर क्राइम की टीम ने डिजिटल अरेस्ट के नाम पर एक बुजुर्ग व्यक्ति से लगभग 98 लाख रुपये की ठगी करने के आरोपित को गिरफ्तार किया है। साइबर थाना प्रभारी उपनिरीक्षक जगदीप ने जानकारी बताया कि गत 21 मार्च को सफीदों की आदर्श बस्ती निवासी हवा सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि वहमार्केटिंग सोसायटी से सेवानिवृत कर्मचारी है। गत 12 मार्च को साइबर ठगी करने वाले लोगों ने खुद को ट्राई व सीबीआई अधिकारी बता कर उन्हें डिजिटल अरेस्ट कर लिया और उन्हें कहा कि उनके खिलाफ मुकद्मा दर्ज है और उनके खाते में मनी लॉन्ड्रिंग का पैसा आया हुआ है। बाकायदा उन्हें अरेस्ट वारंट भी भेजा गया और उनके पास जितने भी पैसे हैं वह एक बार उन्हें ट्रांसफर करने के लिए कहा। इस मामले का निपटारा होने के बाद यह पैसा उन्हें वापस कर दिया जाएगा। साइबर ठगी करने वाले लोगों ने हवा सिंह को स्पष्ट तौर पर बताया कि उन्हें डिजिटल अरेस्ट किया जा रहा है और वह उनकी निगरानी में रहेंगे। बुजुर्ग हवा सिंह साइबर ठगों के झांसे में आ गए और उन्होंने 98 लाख 25 हजार उनके कहे अनुसार उनके द्वारा बताए गए खाते में ट्रांसफर कर दिए।

फ्रॉड की 1930 पर दें सूचना

एसपी कुलदीप सिंह ने कहा कि किसी भी अनजान कॉल, वीडियो कॉल पर अपनी निजी जानकारी साझा न करें। कोई भी सरकारी एजेंसी वीडियो कॉल के माध्यम से डिजिटल अरेस्ट नहीं करती है। डराने, धमकाने वाले कॉल से सावधान रहें। किसी भी संदिग्ध कॉल, फ्रॉड की सूचना तुरंत 1930 हेल्पलाइन या साइबर पोर्टल पर दें।

बायो गैस प्लांट के विरोध में लोगों ने जताया रोष

जींद। गोहाना रोड पर भारत नगर की गली नंबर पांच के सामने और कई कालोनियों के बीच बने बायो गैस प्लांट को लेकर विरोध जताया है। इन लोगों ने सरकार से जींद की जिंदगी का हवाला देते इस प्लांट को बंद करने की मांग की है। इसके साथ-साथ धागा मिल कॉलोनी में इक_ा होकर बीती सांय विरोध में नारेबाजी भी की है। भारत नगर के लोगों ने बताया कि बायो गैस प्लांट को बंद करवाने के लिए 29 मार्च को हरियाणा के डिप्टी स्पीकर को ज्ञापन सौंपा जाएगा। यही नहीं पांच को जींद आ रहे हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से भी जींद की जिंदगी की सुरक्षा के लिए ज्ञापन के मार्फत यह मांग की जाएगी। उन्होंने कहा कि गोहाना रोड के साथ कई एकड़ जमीन पर एक कंपनी ने बायो गैस प्लांट शुरू किया है।

गेहूं खरीद प्रकिया को सुचारू एवं पारदर्शी बनाने को लेकर जारी किए निर्देश

पहली अप्रैल से प्रारंभ होगी गेहूं खरीद : डीसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

रबी खरीद सीजन को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है। डीसी अपराजिता ने जिले में गेहूँ व अन्य रबी फसलों की खरीद को सुचारू, पारदर्शी और किसान-हितैषी बनाने के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि खरीद प्रकिया से संबंधित सभी तैयारियां पूरी रखे। किसानों को अपनी उपज बेचने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं आने दी जाएगी और उन्हें उनकी फसल का पूरा मूल्य सुनिश्चित किया जाएगा। डीसी ने बताया कि गेहूँ की सरकारी खरीद 1 अप्रैल से शुरू होगी। फसल सरकार द्वारा तय न्यूनतम समर्थन मूल्य पर ही की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि किसी भी स्थिति में किसानों को एमएसपी से कम भुगतान न किया जाए। खरीद प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल बनाया गया है। पंजीकरण से लेकर भुगतान तक की सभी प्रक्रियाएं ई-खरीद पोर्टल के माध्यम से होंगी। किसानों को उनकी उपज का भुगतान सीधे उनके बैंक खातों में ऑनलाइन ट्रांसफर के जरिए किया जाएगा। प्रशासन का लक्ष्य है कि खरीद के 48 से 72 घंटों के भीतर भुगतान सुनिश्चित किया जाए। मंडियों में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए प्रवेश और निकास द्वारों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं, जिनकी निगरानी केंद्रीय कंट्रोल रूम से की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मंडियों में किसानों की सुविधा के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं।

लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी: अपराजिता

डीसी अपराजिता ने चेतावनी दी कि खरीद प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही, भ्रष्टाचार या किसानों के शोषण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि कहीं भी बोगस खरीद या स्टॉक में हेराफेरी पाई तो संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

एडीसी जिला प्रभारी नियुक्त

खरीद कार्य खाद्य एवं आपूर्ति विभाग, हैफेड, एफसीआई और हरियाणा वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन द्वारा किया जाएगा। एडीसी को पूरे जिले में खरीद कार्य का प्रभारी नियुक्त किया है, जबकि संबंधित एसडीएम अपने-अपने क्षेत्रों में मंडियों के नोडल अधिकारी होंगे। निगरानी के लिए जिला और एजेंसी स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित किए जाएंगे तथा किसानों की शिकायतों के समाधान के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किया जाएगा।

खबर संक्षेप

कसूहन में भाजपा का संगठनात्मक मीटिंग

उचाना। कसूहन गांव के चाणक्य इंटरनेशनल स्कूल में भाजपा की उचाना विधानसभा की संगठनात्मक बैठक हुई। विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री के अलावा जिलाध्यक्ष तेजेंद्र ढूल, लोकसभा विस्तार सुशील बाल्याण मुख्य रूप से पहुंचे। बैठक में संगठन की मजबूती, आगामी कार्यक्रमों की रणनीति, बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने और वर्तमान में चल रहे अभियानों पर कार्यकर्ताओं के साथ विस्तृत चर्चा की गई। मंडल अध्यक्ष, बूथ अध्यक्ष, कार्यकर्ता मीटिंग में मौजूद रहे।

कलेक्टर रेट को लेकर आपत्तियां 30 तक दें

जींद। उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा ने बताया कि सरकार द्वारा प्रस्तावित वर्ष 2026-27 के कलेक्टर रेट ऑनलाइन पोर्टल तथा जिला की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि इन प्रस्तावित कलेक्टर रेट्स के संबंध में आमजन से आपत्तियां एवं सुझाव आमंत्रित किए गए हैं। कोई भी नागरिक अपनी आपत्ति, सुझाव 30 मार्च को प्रातः 10 बजे तक संबंधित रजिस्ट्रार, उपमंडल अधिकारी अथवा उपायुक्त कार्यालय में दर्ज करवा सकता है। उपायुक्त ने यह भी अवगत कराया कि आमजन अपनी आपत्तियां लिखित रूप में अथवा ईमेल के माध्यम से भी निर्धारित समयावधि के भीतर प्रस्तुत कर सकता है।

कल्पना चावला छात्रवृत्ति योजना का लाभ लें छात्र

जींद। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जींद ने हरियाणा सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्पना चावला छात्रवृत्ति योजना 2025-26 के लिए छात्राओं से अधिक से अधिक आवेदन करने का आह्वान किया है। एबीवीपी ने कहा कि यह योजना इंजीनियरिंग क्षेत्र में पढऩे वाली मेधावी छात्राओं को आर्थिक सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गई है। जिससे बेटियों को तकनीकी शिक्षा में आगे बढऩे का अवसर मिल सके। जींद विवि अध्यक्ष सतविंदर ढिल्लो बताया कि इस योजना के तहत बीई, बीटेक, बी आर्क और बी प्लान में प्रथम वर्ष में प्रवेश लेने वाली छात्राएं आवेदन कर सकती हैं।

तीन किसानों के खेतों से सोलर पैनल-मोटर चारी

जींद। गांव कालवा तथा गांगोली खेतों से चोरों ने बीती रात तीन किसानों के सोलर पैनल, मोटर व अन्य सामान चोरी कर लिया। पिल्लूखेड़ा थाना पुलिस ने शिकायतों के आधार पर चोरी के मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांगोली निवासी अनिल, गांव कालवा निवासी सोनू, सोमबीर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उन्होंने खेतों में टयूबवैलों पर सोलर पैनल लगाए हुए थे। बीती रात चोरों ने उनके खतों से सोलर पैनल, मोटर तथा अन्य सामान को चोरी कर लिया। चोरी की घटनाओं का तब पता चला जब वे खेतों में पहुंचे। पिल्लूखेड़ा थाना पुलिस ने तीनों की शिकायतो पर चोरी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

संदिग्ध हालात में युवती लापता, शिकायत दर्ज

जींद। गांव घोघड़िया से युवती के संदिग्ध हालात में गायब होने पर उचाना थाना पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव घोघड़िया निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत दिवस उसकी बेटी घर से गायब हो गई।

अलग-अलग सड़क हादसों में तीन घायल

जींद। जिले में अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में तीन युवक घायल हो गए। संबंधित थाना पुलिस ने शिकायतों के आधार पर फरार वाहन चालकों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुररू कर दी है।

गांव दिल्लूवाला निवासी हिम्मत ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह गांव नगूरां से गांव की तरफ लौट रहा था। उसी दौरान पीछे से तेजरफ्तार अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी।

पार्टिशन को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने की कार्रवाई प्रारंभ

इमरजेंसी वार्ड में डॉक्टर ड्यूटी रूम और रेस्ट रूम होंगे अलग

मरीजों को मैनेज करने में होती थी दिक्कत

इयूटी रूम छोटा होने से आ रही थी परेशानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। नागरिक अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में बने कैबिन। फोटो :हरिभूमि

जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल में इमरजेंसी वार्ड की व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। अब डॉक्टरों के ड्यूटी रूम (कैबिन) और रेस्ट रूम को अलग-अलग बनाने तथा पार्टिशन लगाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। हालांकि 14.91 करोड़ रुपये गत वर्ष ही इमरजेंसी को बढा कर दस से 20 बैड का किया गया है। यहां डॉक्टर, स्टाफ व टीकाकरण व इमरजेंसी को लेकर अलग-अलग वार्ड बनाए गए हैं लेकिन डॉक्टरों के ड्यूटी रूम (कैबिन) छोटे बन जाने से परेशानी सामने आ रही थी। जिसे देखते हुए अब पार्टिशन कर समस्या को दूर किया जाएगा। नागरिक अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में डॉक्टरों का छोटा ड्यूटी रूम कई समस्याएं पैदा कर रहा था। ड्यूटी के दौरान आराम करने या जरूरी चर्चा करने के लिए पर्याप्त जगह नहीं होने से चिकित्सकों को असुविधा होती थी। साथ ही इमरजेंसी में भर्ती गंभीर मरीजों को मैनेज करने में भी दिक्कत आ रही थी। एक ही कमरे में ड्यूटी और रेस्ट की व्यवस्था होने के कारण डॉक्टरों का ध्यान बंटता था और मरीजों को तुरंत जरूरी देखभाल नहीं मिल पाती थी। विभाग के अधिकारियों ने इस समस्या को गंभीरता से लिया और निरीक्षण के बाद सुधार के निर्देश जारी किए। इमरजेंसी में ड्यूटी रूम को कुछ बड़ा किया जाएगा ओर साथ ही रेस्ट रूम को पूरी तरह अलग कर दिया जाएगा। पार्टिशन लगाने से दोनों जगहों पर गोपनीयता और सुविधा बढ़ेगी। इससे डॉक्टर 24 घंटे की शिफ्ट में बेहतर तरीके से काम कर सकेंगे और इमरजेंसी सेवाएं और प्रभावी होंगी। यह बदलाव मरीजों और डॉक्टरों दोनों के हित में है। इमरजेंसी वार्ड में रोजाना सैंकड़ों मरीज आते हैं। जिनमें सड़क दुर्घटना और अन्य गंभीर केस शामिल होते हैं। बेहतर सुविधाओं से इलाज में तेजी आएगी और डॉक्टरों का मनोबल भी बढ़ेगा।

पार्टिशन प्रक्रिया शुरू कर दी

नागरिक अस्पताल के प्रधान चिकित्सा अधिकारी डा. रघुवीर पूनिया ने बताया कि डॉक्टरों के ड्यूटी रूम (कैबिन) और रेस्ट रूम को लेकर पार्टिशन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। काम जल्द से जल्द पूरा किया जाएगा ताकि मरीजों को परेशानी न हो। मरीजों को ड्यूटी रूम के साथ ही रैस्ट रूम की सुविधा होगी। यहां पारदर्शी ग्लास लगेगा ताकि चिकित्सक मरीजों का ध्यान रख सकें।

मार्केट कमेटी सचिव को सौंपा ज्ञापन

जुलाना में नंबर प्लेट नियम के विरोध में किसानों का प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जुलाना

जुलाना कस्बे की नई अनाज मंडी में किसानों ने ट्रैक्टर पर नंबर प्लेट अनिवार्य करने के नियम के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया। किसानों ने मंडी परिसर में धरना देते हुए सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और इस नए नियम को तुरंत वापस लेने की मांग उठाई। धरने की अध्यक्षता कर रहे किसान नेता कृष्ण ढांडा ने कहा कि सरकार लगातार ऐसे फैसले ले रही है, जिससे किसानों की परेशानियां बढ़ती जा रही हैं। उन्होंने बताया कि हाल ही में यह नियम लागू किया गया है कि बिना नंबर प्लेट वाले ट्रैक्टरों को मंडी में प्रवेश नहीं दिया जाएगा और उन्हें गेट पास भी जारी नहीं किया जाएगा। इस फैसले से खासकर छोटे और गरीब किसानों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जिनके ट्रैक्टर अभी तक रजिस्ट्रेशन या नंबर प्लेट की प्रक्रिया में हैं। किसानों का कहना है कि फसल का सीजन चल रहा है और ऐसे समय में इस तरह के नियम लागू करना पूरी तरह अनुचित है। इससे किसानों की फसल मंडी तक पहुंचने में देरी हो रही है। जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। प्रदर्शन कर रहे किसानों ने कहा कि सरकार को पहले किसानों की समस्याओं को समझना चाहिए और उसके बाद ही कोई निर्णय लेना चाहिए। धरने के दौरान किसानों ने चेतावनी दी कि यदि यह नियम जल्द वापस नही लिया गयाए तो वे अपने आंदोलन को और तेज करेंगे। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि इस मुद्दे पर तुरंत संज्ञान लेते हुए किसानों को राहत दी जाए ताकि वे बिना किसी बाधा के अपनी फसल मंडी में ला सकें। भारतीय किसान यूनियन के जिला प्रधान नरेंद्र ढ़ांडा, ढांडा खाप के पूर्व प्रधान नरेश ढ़ांडा, प्रदीप सिहाग, सुमित लाठर, विरेंद्र आर्य, नरेंद्र आदि मौजूद रहे।

जींद। रैली को लेकर ग्रामीणों को संबोधित करते सफीदों विधायक रामकुमार गौतम।

नायब सरकार जनता हितैषी: गौतम

जींद। विधायक रामकुमार गौतम ने कहा कि नायब सरकार लगातार जनता के हित में काम कर रही है और ग्रामीण क्षेत्रों के विकास को प्राथमिकता दी जा रही है। सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने के लिए कई योजनाएं लागू की गई हैं। जिनका लाभ आमजन तक पहुंच रहा है। विधायक रामकुमार गौतम शनिवार को आगामी चार अप्रैल को हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की प्रस्तावित धन्यवाद एवं विकास रैली को लेकर सफीदों विधानसभा क्षेत्र में जनसंपर्क अभियान के दौरान ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे। विधायक ने कहा कि चार अप्रैल को आयोजित होने वाली यह रैली सफीदों के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ेगी। यह केवल एक रैली नहीं बल्कि क्षेत्र के विकास की दिशा में एक बड़ा कदम है।

आरजीएम महाविद्यालय के विद्यार्थी विवि में सम्मानित

उचाना। सीआरएसयू जींद में स्पोर्ट्स काउंसिल की तरफ से वार्षिक खेल पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया। सत्र 2023-24 एवं 2024-25 के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया। सत्र 2024-25 के दौरान राजीव गांधी महाविद्यालय के खिलाडियों ने शानदार प्रदर्शन कर अंतर कालेज प्रतियोगिताओं में सीआरएसयू की तरफ से पुरुष वर्ग में तृतीय स्थान प्राप्त किया। जो महाविद्यालय की लिए बड़ी उपलब्धि रही। दो वर्षों के दौरान महाविद्यालय के अनेक छात्र-छात्राओं ने अंतर विश्वविद्यालय, अंतर महाविद्यालय सत्र पर अनेक प्रतिस्पर्धा में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करके भी नगद पुरस्कार अर्जित किए। प्राचार्य डॉ. रणवीर कौशल ने कहा कि विद्यार्थियों को ज्यादा से ज्यादा स्पर्धाओं में भाग लेना चाहिए। युवाओं को नशे से दूर रहने की भी अपील करते हुए कहा कि नशा खिलाड़ियों को कमजोर करता है

नवार्ण महायज्ञ में दी आहुति

जींद। आचार्य पवन शर्मा ने कहा कि भारत की एकता और अखंडता के प्रतीक हैं राम, सनातन धर्म की पहचान हैं राम, चेतना और सजीवता का प्रमाण हैं राम। राम सिर्फ परमात्मा का नाम ही नही बल्कि हिंदुस्तान की पहचान हैं। दो अक्षरों के संयोग से निर्मित राम प्रत्येक प्राणी के हृदय में प्राण रूप में रमण कर रहा है। आचार्य पवन शर्मा माता वैष्णवी धाम में रामनवमी की रात श्रद्धालुओं के समक्ष नवार्ण महायज्ञ की पूर्णाहुति के दौरान श्रद्धालुओं को संबोधित कर रहे थे। पूर्व आईजी डीएन बेनीवाल ने महायज्ञ में पूर्णाहुति दी। उनके अलावा पूर्व डीजीएम अशोक सिंगला, एडवोकेट जेएन भारद्वाज, कंवर रामपाल सिंह व कंवर जितेंद्र सिंह, सचिन गोयल, सोनू गर्ग ने सपरिवार भगवती सिद्धिदात्री की आराधना कर नवार्ण महायज्ञ में आहुति दी।

जींद। पुरस्कार राशि के साथ कॉलेज की छात्राएं। फोटो :हरिभूमि

जींद। महानर्वाण यज्ञ में पूर्णाहुति डालते श्रद्धालु। फोटो :हरिभूमि

खिलाड़ियों को छह लाख की राशि वितरित

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विवि में स्पोर्ट्स काउंसिल की तरफ से आयोजित वार्षिक खेल पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न हुआ। समारोह में वर्ष 2023-24 और 2024-25 के दौरान विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। इस समारोह में हिंदू कन्या महाविद्यालय की प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए छह लाख 78 हजार रुपये की पुरस्कार राशि वितरित की। प्राचार्या डा. पूनम मोर ने खिलाड़ियों को संबोधित करते प्रयासों की सराहना की और कहा कि महाविद्यालय की छात्राओं ने पूर्व की भांति ही खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। सही अर्थों में खेल हमें टीम वर्क, अनुशासन और नेतृत्व जैसे गुणों को विकसित करने में मदद करता है। कहा कि दोनों ही सत्रों 2023-2024 और 2024-25 में महाविद्यालय ने रनरअप ट्रॉफी हासिल की है।

छात्राओं को सम्मानित किया

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विवि द्वारा आयोजित खेल कूद गतिविधियों में विवि का नाम रोशन करने वाले विद्यार्थियों को कैश अवार्ड व ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। इसमें के एम राजकीय महाविद्यालय नरवाना की गल्स कराटे टीम निकिता पुत्री कृष्ण, सिमरन पुत्री सुखविंदर, रहीमा पुत्री गुलाम अख्तर और प्रियंका पुत्री सुरेश ने यूनिवर्सिटी नॉर्थ जोन में थर्ड और ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी में थर्ड पोजिशन प्राप्त की थी। उपलब्धि के प्राप्त होने पर चौधरी रणबीर सिंह विवि के खेलकूद विभाग तथा वाइस चांसलर डा. प्रोफेसर रामपाल सैनी ने 25 हजार का नगद इनाम देकर सम्मानित किया और केएम राजकीय महाविद्यालय नरवाना को थर्ड पोजिशन की ट्राफी प्रदान की गई। कॉलेज के विद्यार्थियों की इस उपलब्धि में उनके कोच कमलदीप सिंह, पुजीत बेरवाल, कृष्ण सिंगरोहा और प्रोफेसर मेजर सुरेंद्र कुमार का अहम योगदान रहा।

जींद। छात्राओं को सम्मानित करते हुए। फोटो :हरिभूमि

फिजियोथैरेपी शिविर संपन्न

जींद। हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद के सौजन्य से समग्र शिक्षा जींद द्वारा जिला जींद के राजकीय विद्यालयों में पढबे वाले पहली से बारहवीं कक्षा के दिव्यांग बच्चों के लिए दो दिवसीय फिजियोथैरिपी कैंप का आयोजन शनिवार को राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय डिफेंस कॉलोनी जींद में किया गया। शिविर का शुभारंभ जिला परियोजना संयोजक किरण बाला ने किया। शिविर में नागरिक अस्पताल जींद से फिजिथैरिपिट रिचा चौधरी ने बच्चों की जांच की। उन्हें आवश्यक, थैरेपी, व्यायाम और इलाज के बारे में जानकारी दी। इस शिविर में कुल 21 दिव्यांग की जांच की गई। इस शिविर का आयोजन एपीसी समग्र शिक्षा जींद रणधीर सिंह ढिल्लो की देखरेख में किया जा रहा है। इस शिविर में विशेष अध्यापकों पवन कुमार, अर्जुन सिंह आदि मौजूद रहे।

जींद। कांग्रेस नेता बिजेंद्र ढाठरथ बैठक करते हुए। फोटो :हरिभूमि

सफीदों को जिला बनाएं सीएम : बिजेंद्र

जींदं। कांग्रेस नेता बिजेंद्र ढाठरथ ने कहा कि सफीदों को जिला बनाने की सफीदों की जनता पुर जोर मांग करती है और सपने संजोए बैठी जनता के को सीएम द्वारा निराश नहीं करना चाहिए। ये सफीदों की जनता की पहली मांग है। सफीदों के बहुत से गांव पावर हाउस व जलधारों की जरूरत है। ढाठरथ गांव में अस्पताल की बिल्डिंग बिल्कुल डैमेज हो चुकी है। इसके गिरने का खतरा बना हुआ है। इसको नया बनाया जाए और इसे अपग्रेड कर बनाया जाए। दूसरी तरफ एक और जींद की जनता के साथ अन्याय किया जा रहा है। पानीपत से जींद सीमा तक फोरलेन सड़क मंजूर की गई है ओर जींद की सीमा में सिंगल सड़क मंजूर की गई है। जींद क्षेत्र की जनता के ऐसा क्यों किया जा रहा है। जब की सफीदों व जींद से भाजपा के विधायक और डिप्टी स्पीकर जैसे अहम पदों पर बैठे लोग यहां कमजोर साबित हो रहें हैं।

भारत विद्या मंदिर मिडल स्कूल का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

भारत विद्या मंदिर मिडल स्कूल जीन्द में शैक्षणिक सत्र 2025.26 का वार्षिक परिणाम घोषित किया गया। विद्यालय परिसर में एक संक्षिप्त कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों के रिपोर्ट कार्ड वितरित किए गए। कार्यक्रम का आरंभ मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्जवलित कर व मालार्पण द्वारा की गई। प्रधानाचार्य विनोद हसीजा ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी तथा जिन विद्यार्थियों के परिणाम आशा के अनुरूप नहीं रहे, उन्हें निराश न होकर और अधिक मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सफलता निरंतर प्रयासए अनुशासन और आत्मविश्वास का परिणाम होती है। प्रधानाचार्य ने आगे कहा कि विद्यालय का उद्देश्य केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता ही नही बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर भी विशेष ध्यान देना है। उन्होंने माता-पिताए अभिभावकों एवं शिक्षकों के सहयोग को सहराते हुए कहा कि विद्यार्थियों की सफलता में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। विद्यालय परिसर ने विद्यार्थियों, माता.पिता एवं अभिभावकों के बीच खुशी और उत्साह का माहौल देखने को मिला। अंत में विद्यालय प्रबंधन ने सभी विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें आगामी कक्षाओं के लिए शुभकामनाएं दी।

जींद। मुख्यमंत्री को लिखा पत्र दिखाते प्रधान राजकुमार गोयल।

सीएम विंडो पर पहुंचा रानी तालाब ग्रिलों का मामला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

शहर के ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थल रानी तालाब मंदिर की कंक्रीट की टूटी ग्रिलों का मामला अब मुख्यमंत्री विंडो तक पहुंच गया है। अखिल भारतीय अग्रवाल समाज हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार गोयल ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा से जुड़ी इस गंभीर समस्या को लेकर सीएम विंडो खटखटाई है और मुख्यमंत्री से मांग की है कि कोई बड़ा हादसा न हो जाए, इससे पहले पहले रानी तालाब मंदिर के परिक्रमा मार्ग की टूटी ग्रिलों की शीघ्र बदलवाया जाए और यह जांच भी करवाई जाए कि आखिरकार क्यो ये ग्रिले बार बार टूट रही है। मुख्यमंत्री को लिखे शिकायत पत्र में गोयल ने लिखा है कि रानी तालाब मंदिर के चारों ओर बने परिक्रमा मार्ग पर लगी कंक्रीट की ग्रिलें कई स्थानों से पूरी तरह टूट चुकी हैं। इस कारण श्रद्धालुओं के लिए परिक्रमा करना बेहद जोखिम भरा हो गया है। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन बड़ी संख्या में महिलाएं, बुजुर्ग और बच्चे मंदिर में दर्शन व परिक्रमा के लिए आते हैं। जिससे किसी भी समय बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है।

टूटी ग्रिल बदली जाए

बताया कि ग्रिलें इस प्रकार टूटी हुई हैं कि कोई भी बच्चा या बुजुर्ग फिसल कर सीधे तालाब में गिर सकता है। जिससे गंभीर दुर्घटना हो सकती है। इस समस्या को लेकर जींद के डीसी को भी अवगत कराया जा चुका है और उनके द्वारा संबंधित विभाग को कार्रवाई के निर्देश भी दिए जा चुके हैं लेकिन इसके बावजूद भी अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। गोयल ने अपने पत्र में यह भी उल्लेख किया कि लगभग दो वर्ष पूर्व भी इसी प्रकार की स्थिति उत्पन्न हुई थी। उस समय भी अधिकारियों द्वारा अनदेखी किए जाने के बाद उन्हें सीएम विंडो का सहारा लेना पड़ा था। जिसके बाद ही ग्रिलों की मरम्मत करवाई गई थी। अब एक बार फिर दोबार ग्रिले टूटने से वही स्थिति बन गई है और श्रद्धालुओं की सुरक्षा पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। गोयल ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि इस जनहित के मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभाग को निर्देश दिए जाएं की रानी तालाब मंदिर के परिक्रमा मार्ग की टूटी ग्रिलों की शीघ्र बदला जाए। कमजोर हिस्सों को मजबूत किया जाए तथा भविष्य में ऐसी समस्या से बचाव के लिए स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाए और यह जांच भी करवाई जाए कि आखिरकार क्यों ये ग्रिलें बार-बार टूट रही हैं। ग्रिलें क्यों इतनी हल्की क्वालिटी की लगाई जा रही हैं कि बार बार टूट रही हैं।

विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों ने शानदार अंक प्राप्त कर अपनी मेहनत और लगन का दिया परिचय

इंडस स्कूल में वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। अव्वल छात्रा को सम्मानित करते हुए। फोटो :हरिभूमि

इंडस पब्लिक स्कूल पिल्लूखेड़ा में वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किया । यह दिन विद्यालय, अभिभावकों एवं विद्यार्थियों के लिए गर्व और खुशी का अवसर रहा। विद्यार्थियों ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से न केवल अपने परिवार का बल्कि विद्यालय का नाम भी गौरवान्वित किया। विद्यालय के प्रांगण में परिणाम घोषणा के दौरान उत्साह और उमंग का माहौल देखने को मिला। विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों ने शानदार अंक प्राप्त कर अपनी मेहनत और लगन का परिचय दिया। विद्यालय की प्रधानाचार्या ज्योति सैनी ने इस अवसर पर कहा कि हमारे विद्यार्थियों की सफलता उनके निरंतर प्रयास, अनुशासन और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। हमें गर्व है कि हमारे छात्र न केवल शैक्षणिक क्षेत्र में बल्कि नैतिक मूल्यों में भी उत्कृष्टता प्राप्त कर रहे हैं। हम सभी सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हैं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं। विद्यालय के चेयरमैन सुरेन्द्र मडोत्रा ने कहा कि यह परिणाम केवल अंकों का नही बल्कि विद्यार्थियों के समर्पण और विद्यालय की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का प्रतीक है। हम अभिभावकों और शिक्षकों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हैं और आशा करते हैं कि हमारे विद्यार्थी भविष्य में भी इसी प्रकार सफलता के नए आयाम स्थापित करेंगे। विद्यालय प्रबंधन ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल विष्य की कामना की तथा अन्य विद्यार्थियों को भी निरंतर प्रयास करते रहने के लिए प्रेरित किया।

खबर संक्षेप

भाजप के स्थापना दिवस को मनाने की तैयारी

कैथल। जिला मीडिया प्रभारी हिमांशु गोयल का भाजपा के वरिष्ठ नेता अशोक गुर्जर के साथ एक आत्मीय मुलाकात का अवसर प्राप्त हुआ। इस दौरान संगठन की मजबूती, पार्टी की जनकल्याणकारी नीतियों तथा समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा पहुँचाने के संकल्प पर विस्तार से चर्चा हुई। वरिष्ठ भाजपा नेता अशोक गुर्जर ने बताया कि आगामी 6 अप्रैल 2026 को भारतीय जनता पार्टी का स्थापना दिवस पूरे देश में उत्साहपूर्वक मनाया जाएगा।

खरीद केंद्र के आढ़तियों के लाइसेंस हुए रिन्यू

पाई। पाई मार्किट कमेटी के अधीन आने वाले करोड़ा खरीद केंद्र के आढ़तियों को अब प्रदेश सरकार से किसानों की गेहूं की फसल बेचने के लिये राहत मिल गई है, जिसे आढ़तियों ने राहत की सांस ली। उल्लेखनीय है कि सरकार द्वारा मार्केटिंग बोर्ड के माध्यम से कहा थी कि सब यार्ड और प्रिंसिपल यार्ड के द्वारा अधीकृत आढ़ती ही खरीद केंद्रों पर किसानों की फसल बेच सकेगा।

चोरी रोकने को लेकर निदेशक को लिखा पत्र

कैथल। कैलाश चन्द एडवोकेट ने हरियाणा प्रदेश के निजी स्कूलों मे शिक्षा के नाम पर अवैध रूकवाने, अवैध वसुली के नाम पर बच्चो के दस्तावेजो को रोकने, निजी स्कुलो मे एनसीईआरटी, व सम्बंधित मान्यताप्राप्त बोर्ड कि किताबे लागु करवाने हेतु प्रदेश के शिक्षा विभाग के निदेशक सैकण्डरी शिक्षा विभाग, निदेशक शिक्षा विभाग हरियाणा प्रदेश, और प्रदेश के सभी जिलो के जिला शिक्षा अधिकारीयो को पत्र भेजकर कानून कि पालना करवाने को पत्र लिखा।

जैव विविधता संरक्षण को लेकर मुन्नारेहड़ी में बैठक

पूंडरी। गांव मुन्नारेहड़ी में जैव विविधता प्रबंधन समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता सरपंच राजेश मैहला द्वारा की गई। बैठक में क्षेत्र के लोगों को जैव विविधता संरक्षण के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई तथा पर्यावरण संरक्षण को लेकर जागरूक किया।

शराब तस्कर से 130 लीटर लाहन बरामद

कैथल। हजवाना से एक आरोपी को 130 लीटर लाहन सहित काबू किया गया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि थाना पूंडरी पुलिस के एसआई पवन कुमार की टीम द्वारा एक गुप्त सूचना के आधार पर हजवाना निवासी चमेल सिंह के खेत कोठा पर दबिश देकर संदिग्ध गांव हजवाना निवासी राजेश को काबू कर लिया गया।

अलग अलग 2 मामलों दो आरोपी गिरफ्तार

कैथल। पीओ पकड़ो स्टाफ द्वारा अलग अलग 2 मामले में 2 उद्घघोषित आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि आरोपी राजौंद निवासी किरण को गिरफ्तार कर लिया गया। एक अन्य मामले में एएसआई रणदेव द्वारा वर्ष 2021 दौरान के चेक बाउंस मामले में आरोपी पटेल नगर कैथल निवासी सुरेश कुमार शर्मा को गिरफ्तार किया गया। जिसे माननीय न्यायालय द्वारा 12 जनवरी 2026 को पीओ घोषित किया गया।

महिला संगोष्ठी में सर्वजातीय सर्वखाप महिला महापंचायत की अध्यक्ष का स्वागत

लिव-इन रिलेशनशिप का बढ़ता प्रचलन पड़ रहा समाज पर भारी: डा. संतोष दहिया

महिलाओं की सुरक्षा और बच्चों के भविष्य के लिए गंभीर चुनौती

हरिभूमि न्यूज ⏭कैथल

मटौर में आयोजित महिला संगोष्ठी में सर्वजातीय सर्वखाप महिला महापंचायत की अध्यक्ष डॉ संतोष दहिया ने कहा कि लिव-इन रिलेशनशिप के बढ़ते प्रचलन और उसके समाज पर पड़ रहे नकारात्मक प्रभावों को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह प्रवृत्ति भारतीय पारिवारिक व्यवस्था, महिलाओं की सुरक्षा और बच्चों के भविष्य के लिए गंभीर चुनौती बनती जा रही है।

कैथल। डा. संतोष दहिया को आशीर्वाद देती ग्रामीण महिलाएं। फोटो: हरिभूमि

पारंपरिक परिवार टूटने की बढ़ती घटनाएं

लिव-इन रिलेशनशिप के कारण पारंपरिक परिवार व्यवस्था कमजोर हो रही है, जिससे वैवाहिक रिश्तों में अस्थिरता और घर टूटने की घटनाएं बढ़ रही हैं। ऐसे संबंधों में महिलाओं को स्थायी कानूनी अधिकारों का अभाव रहता है, जिसके कारण वे धोखे, शोषण और परित्याग का शिकार हो रही हैं। डॉ संतोष दहिया ने बताया कि उपलब्ध राष्ट्रीय अपराध आंकड़ों के अनुसार, हर वर्ष महिलाओं के खिलाफ लाखों मामले दर्ज होते हैं, जिनमें धोखाधड़ी, उत्पीड़न और घरेलू हिंसा के कई मामले ऐसे भी होते हैं जो लिव-इन संबंधों से जुड़े होते हैं।लिव-इन संबंधों से जन्म लेने वाले कई बच्चों को सामाजिक स्वीकार्यता में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, जिससे वे अलग-थलग पड़ जाते हैं और मानसिक दबाव झेलते हैं। यह प्रवृत्ति युवाओं में पारिवारिक जिम्मेदारियों से दूरी और अस्थायी संबंधों को बढ़ावा दे रही है, जो समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय है। इस अवसर पर ममता चौधरी, पूनम शर्मा, मनीषा, बिमला देवी, रेखा, प्रियंका, सुमन रानी, अंजू रानी, कमलेश, शीला रानी, अलीशा, ऋतु रानी, रीना, मन्नू, मुकेश, रीनू, सुकन्या, सरोज, नीलम, सोनिया, सीमा, अमृता, मटौर खाप प्रधान बलबीर सिंह, मनोज कुमार, जगमिंदर, पवन धुल, प्रिंसिपल रामकेश,दीपक शर्मा, सूरजभान, रत्न सिंह,जगबीर सिंह, सोनू, कुलदीप, बलजीत मौन, कमला देवी, सुमित्रा देवी, प्रकाश देवी सुनीता, कविता रानी, ऊषा रानी आदि सैकड़ों महिला और पुरुषों ने संगोष्ठी में हिस्सा लिया।

बच्चों की सुरक्षा को लेकर हो विशेष प्रावधान

डॉ संतोष दहिया ने बताया कि हमारी प्रमुख मांगे लिव-इन रिलेशनशिप पर स्पष्ट और सख्त कानून बनाया जाए, महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रावधान लागू किए जाएं, आवश्यकता होने पर लिव-इन रिलेशनशिप को नियंत्रित करते हुए आपराधिक श्रेणी में शामिल करने पर गंभीरता से विचार किया जाए, 4.पारिवारिक मूल्यों और सामाजिक जिम्मेदारियों को बढ़ावा दिया जाए।

गलत प्रचलन

संगोष्ठी में उपस्थित सभी वक्ताओं ने कहा कि "लिव-इन रिलेशनशिप आज समाज में एक गलत चलन के रूप में तेजी से फैल रहा है, जिससे घर टूट रहे हैं, महिलाएं असुरक्षित हो रही हैं और बच्चे बेसहारा हो रहे हैं। कई मामलों में महिलाएं शोषण और धोखे का शिकार होती हैं, जबकि बच्चों को समाज में पूर्ण मान्यता नहीं मिलती और वे अलग-थलग पड़ जाते हैं। यह स्थिति किसी भी सभ्य समाज के लिए चिंताजनक है। डॉ संतोष दहिया ने कहा कि सरकार को इस विषय पर तुरंत सख्त कानून बनाना चाहिए और आवश्यकता पड़े तो इसे आपराधिक श्रेणी में शामिल करने पर भी निर्णय लेना चाहिए।"

सीवन। आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में मुख्य वक्ता आचार्य गिरधारी भारद्वाज व कथा में पहुंचे श्रद्धालु। फोटो: हरिभूमि

कंस वध का का प्रसंग सुना किया भावुक

कथा में श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का किया वर्णन

■ श्रीकृष्ण ने अपनी शक्तियों से किया अधर्म का अंत

हरिभूमि न्यूज ⏭सीवन

सीवन के ऐतिहासिक योगीराज बाबा नागा जी की तपोस्थली में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिन श्रद्धालु आध्यात्मिक वातावरण में डूबे नजर आए। कथा के दौरान आचार्य गिरधारी भारद्वाज ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं, दैत्यों के संहार और कंस वध के प्रसंगों का विस्तृत व भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने बताया कि बाल्यकाल में ही भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी दिव्य शक्तियों से अधर्म का अंत करना शुरू कर दिया था। पूतना वध का प्रसंग सुनाते हुए उन्होंने कहा कि भगवान ने राक्षसी पूतना का अंत कर उसे भी मोक्ष प्रदान किया। कथा के दौरान बकासुर जैसे दैत्यों के वध का वर्णन करते हुए आचार्य ने कहा कि भगवान का प्रत्येक कार्य धर्म की स्थापना और भक्तों की रक्षा के लिए होता है। गोवर्धन पर्वत उठाने की लीला का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि भगवान ने इंद्र के अहंकार को समाप्त कर ब्रजवासियों को प्रलयंकारी वर्षा से बचाया।

कंस को बताया अत्याचारी

कंस वध का प्रसंग सुनाते हुए आचार्य ने कहा कि जब अत्याचार अपनी सीमा पार कर जाता है, तब ईश्वर स्वयं अवतार लेकर उसका अंत करते हैं। भगवान श्रीकृष्ण ने कंस का वध कर न केवल अन्याय का अंत किया, बल्कि धर्म की पुनर्स्थापना का संदेश भी दिया। कथा के दौरान पूरा पंडाल "राधे-राधे" और "जय श्रीकृष्ण" के जयकारों से गूंजता रहा। श्रद्धालु भक्ति भाव से कथा श्रवण करते हुए भावविभोर दिखाई दिए। इस अवसर पर महंत गिरधारी दास, रमेश शास्त्री, जयपाल मुंजाल, प्रदीप सिंगला, राजा, राजकुमार, दर्शन, रामचंद्र, सहित काफी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

बैठक में धार्मिक कार्यों पर हुई चर्चा

■ अग्रवाल समाज की बैठक में सेवा और सामाजिक कार्यों को गति देने पर चर्चा

हरिभूमि न्यूज ⏭सीवन

अग्रवाल समाज के कई समाजसेवियों की एक बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें समाजहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ सदस्यों जोग ध्यान बंसल, कृष्ण बंसल एवं शीशपाल बंसल ने संयुक्त रूप से की। बैठक में समाजसेवियों ने सामाजिक एकता को मजबूत करने और धार्मिक व सेवा कार्यों को आगे बढ़ाने पर जोर दिया। वक्ताओं ने कहा कि समाज के विकास के लिए सभी वर्गों को साथ लेकर चलना आवश्यक है और जरूरतमंद लोगों की सहायता को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इस दौरान निर्णय लिया गया कि आगामी समय में धार्मिक आयोजनों, सेवा कार्यों और जन कल्याणकारी गतिविधियों को और अधिक संगठित रूप से संचालित किया जाएगा। साथ ही युवाओं को भी समाजसेवा से जोड़ने पर विशेष बल दिया गया। स अवसर पर संगीत बंसल, रामपाल बंसल, सुमेश बंसल सहित कई अन्य समाजसेवी उपस्थित रहे।

सीवन। आयोजित बैठक में भाग लेते अग्रवाल समाज के लोग। फोटो: हरिभूमि

चोरों ने मंदिर से लाखों के जेवरात चुराए

कलायत। कलायत के गांव चौशाला में च्यवन ऋषि मंदिर में चोरी की बड़ी घटना घटी। चोर दीवार फांदकर मंदिर के 1 किलो 600 भार के दो चांदी छतर व माता सुकुन्या के श्रृंगार के बनावटी आभूषण चुरा लिए। चोर पहचान छिपाने के लिए मुंह पर कपड़ा और पीठ पर बैग बांधे हुए था। चोरी की घटना में मंदिर को करीब साढ़े तीन लाख रुपए का नुकसान हुआ है। मंदिर कमेटी सदस्या व युवा समाज सेवी नरेंद्र चौशाला ने बताया कि चोर दीवार पर चढऩे के लिए रस्सी व लोहे की कुंडी लिए था। मंदिर के पीछे खाली जमीन की तरफ से छत से होते हुए चोर मुख्य पूजा स्थल तक पहुंचा। मंदिर पुजारी बृजेश शर्मा द्वारा चोरी की घटना को लेकर पुलिस को शिकायत दी गई है।

विधायक ने की सुख-शांति की कामना

■ पुंडरीक तीर्थ पर विधायक सतपाल जाम्बा ने जल में स्नान कर जलाया दीप, मांगी सुख-शांति

हरिभूमि न्यूज ⏭पूंडरी

चैत्र नवरात्रि की दशमी के पावन अवसर पर पुंडरी के पवित्र पुण्डरीक तीर्थ में आस्था और श्रद्धा का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। इस अवसर पर विधायक सतपाल जाम्बा ने तीर्थ स्थल पर पहुंचकर विधिवत स्नान किया तथा दीप प्रज्वलित कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। सुबह के समय वातावरण में भक्ति और आध्यात्मिकता का माहौल बना रहा। विधायक जाम्बा ने तीर्थ स्थल की पवित्रता को नमन करते हुए सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि की प्रार्थना की।

पूंडरी। पुंडरीक तीर्थ पर जल स्नान करते विधायक सतपाल जांबा।

पुण्डरीक तीर्थ हमारी आस्था

विधायक सतपाल जाम्बा ने अपने संबोधन में कहा कि पुण्डरीक तीर्थ हमारी आस्था और संस्कृति का महत्वपूर्ण केंद्र है। चैत्र नवरात्रि के इस पावन अवसर पर यहां स्नान और दीप प्रज्वलन कर क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की है। मेरी प्रार्थना है कि मां भगवती की कृपा सभी पर बनी रहे और हमारा क्षेत्र निरंतर प्रगति करता रहे। उन्होंने कहा कि धार्मिक परंपराएं हमें हमारी संस्कृति से जोड़ती हैं और समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती हैं। ऐसे पावन अवसरों पर एकजुट होकर प्रार्थना करना सामाजिक सद्भाव और भाईचारे को भी मजबूत करता है। इस दौरान श्रद्धालुओं ने भी विधायक के साथ पूजा-अर्चना में भाग लिया और क्षेत्र की उन्नति के लिए कामना की।

राष्ट्रीय हैंडबॉल चैंपियनशिप में जाट कॉलेज के खिलाड़ी छाए

हरिभूमि न्यूज ⏭कैथल

जाट कॉलेज प्राचार्य डॉ दिनेश ढिल्लों ने बताया कि 23 से 27 मार्च को कुरुक्षेत्र में आयोजित 54वीं एचएफआई सीनियर पुरुष राष्ट्रीय हैंडबॉल चैंपियनशिप में जाट कॉलेज कैथल के छात्र कमन इंसान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दिल्ली की टीम को तृतीय स्थान प्राप्त करने में सबसे अहम योगदान दिया। कॉलेज छात्र कमन ने पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया।कमन इंसान की इस उपलब्धि से जाट कॉलेज कैथल में खुशी का माहौल है। कॉलेज पहुंचने पर उन्हें समस्त जाट हाई स्कूल सोसाइटी और कॉलेज के प्राचार्य द्वारा सम्मानित किया गया।इस अवसर पर सोसाइटी के प्रधान श्री राजकुमार बैनिवाल ने कहा कि कॉलेज के खिलाड़ी लगातार राष्ट्रीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन कर संस्थान का नाम रोशन कर रहे हैं।

कैथल। कमन इंसान अपने मैडल को दिखाते हुए। फोटो: हरिभूमि

परीक्षा में प्रथम प्रियांशु का सम्मान

■ प्रियांशु ने हर विषय में शत-प्रतिशत अंक लेकर प्रथम स्थान हासिल किया

हरिभूमि न्यूज ⏭पूंडरी

डी.ए.वी. स्कूल पूंडरी के तीसरी कक्षा के मेधावी छात्र प्रियांशु ने वार्षिक परीक्षा में हर विषय में शत-प्रतिशत अंक प्राप्त करते हुए प्रथम स्थान हासिल कर न केवल अपने विद्यालय बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। इस शानदार उपलब्धि के बाद विद्यालय परिसर में खुशी का माहौल है और शिक्षकों व विद्यार्थियों ने उसे बधाइयों से नवाजा। विद्यालय की अध्यापिका पूजा मोर्या ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रियांशु शुरू से ही पढ़ाई में बेहद होनहार, अनुशासित और परिश्रमी छात्र रहा है। उन्होंने कहा कि सभी विषयों में 100 प्रतिशत अंक प्राप्त करना उसकी असाधारण प्रतिभा, निरंतर अभ्यास और मजबूत समझ को दर्शाता है। उसकी नियमित उपस्थिति, विषयों पर पकड़ और सीखने की लगन उसे अन्य विद्यार्थियों से अलग पहचान दिलाती है।

पूंडरी। अपने पिता विकास व माता गीता रानी के साथ छात्र प्रियांशु।

उपलब्धि को सराहा

यह उपलब्धि इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि यदि विद्यार्थी पूरी लगन, अनुशासन और सही मार्गदर्शन के साथ मेहनत करें तो वे किसी भी लक्ष्य को आसानी से प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने आगे बताया कि प्रियांशु न केवल पढ़ाई में बल्कि अन्य सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में भी सक्रिय रहता है, जिससे उसका सर्वांगीण विकास हो रहा है। प्रियांशु के पिता विकास भारद्वाज और माता गीता रानी ने अपने बेटे की इस सफलता पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि उसके कठिन परिश्रम और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने कहा कि परिवार हमेशा उसे आगे बढऩे के लिए प्रेरित करता रहेगा ताकि वह भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन करता रहे।

भाजपा राष्ट्रीय सह कोषाध्यक्ष नरेश बंसल ने की माता भ्रामरी धाम पहुंचकर पूजा

उचाना। देवभूमि बनभौरी स्थित माता भ्रामरी धाम पहुंच भाजपा राष्ट्रीय सह कोषाध्यक्ष एवं राज्यसभा सदस्य नरेश बंसल ने दर्शन पूजा-अर्चना की। बंसल ने कहा कि साल में दो बार नवरात्र में जो मेला भरता है उसमें लाखों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचते है। यहां पर प्रशासन के अलावा मंदिर प्रबंधन कमेटी द्वारा बेहतर व्यवस्था की गई। इस तरह की व्यवस्था करने से श्रद्धालुओं को दर्शन करने में किसी तरह की परेशानी नहीं होती है। यहां पर सच्चे मन से पूजा-अर्चना करने पर माता भ्रामरी मनोकामना पूर्ण करती है। जब भी समय लगता है वो बिना नवरात्र भी परिवार सहित माता भ्रामरी धाम पहुंच कर माता के दर्शन कर पूजा-अर्चना करते है। पं. दीपक बुडायन ने बताया कि निरंतर माता के दर्शन करने नरेश बंसल माता भ्रामरी धाम पहुंचते है।

हवन में आहुति डालकर मंगल कामना

■ आर्यरत्न पूनम सूरी के जन्मदिवस पर किया बहुकुंडीय शुभकामना यज्ञ

हरिभूमि न्यूज ⏭कैथल

डीएवी संस्था एवं आर्य प्रादेशिक प्रतिनिधि सभा के प्रधान पद्मश्री, आर्यरत्न पूनम सूरी के 79वेंजन्म दिवसके अवसर पर हुड्डा सेक्टर 20 स्थित पार्क में बहुकुंडीय शुभकामना यज्ञ किया गया। इसमें विद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों, स्थानीय निवासियों एवं उपस्थित अभिभावकगण ने एक साथ हवन यज्ञ में श्रद्धापूर्वक आहुति डाली। यज्ञ के माध्यम से समाज को नशामुक्त बनाने तथा युवा पीढ़ी को सही दिशा प्रदान करने का संकल्प लिया गया।

कैथल। आर्यरत्न पूनम सूरी के 79वेंजन्मोत्सव पर कार्यक्रम में भाग लेते ओएसडीएवी स्कूल के विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

युवा वर्ग को नशे से दूर करने का संकल्प

युवा वर्ग को नशा मुक्त करने का जो बीड़ा उठाया है उसे सफल करने में हमें अपना संपूर्णयोगदान देना है ताकि समाज निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर रहे तथा नशा मुक्त हो सके। उन्होंने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि नशा समाज की प्रगति के लिए विष है। हमें हर उसे नशे का त्याग करना है जो हमारे लक्ष्य में बाधक सिद्ध होते हैं।सभीको नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रहकर स्वस्थ एवं सशक्त राष्ट्र के निर्माण में योगदान देना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में सभी ने नशामुक्त समाज के निर्माण की शपथ ली।यह आयोजन समाज में सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में एक सार्थक कदम भी सिद्ध होगा।

कहा : ढांड गांव शिक्षा और प्रगति के क्षेत्र में नई मिसाल कायम करेगा

छात्रों को विशेष लाभ देने के लिए नायब सरकार ने कई योजनाएं शुरू की

अशोक गुर्जर ने किया 35 लाख की लागत से सरकारी स्कूल का उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ⏭ढांड

हरियाणा भाजपा के वरिष्ठ ता अशोक गुर्जर ढांड ने आज कस्बा ढांड में आज एक प्रेरणादायक पहल के तहत 35 लाख रुपए की लागत से सरकारी विद्यालय ढांड के बाहरी सौंदर्यकरण का भव्य उद्घाटन किया। कार्यक्रम में पहुंचने पर गांव के सरपंच, गण्यमान्य लोगों एवं स्कूल स्टाफ ने भाजपा के वरिष्ठ नेता अशोक गुर्जर ढांड का फूलों की माला डालकर भव्य स्वागत किया। इस कार्य का शुभारंभ गांव ढांड के सरपंच जसबीर गुर्जर की उपस्थिति में हुआ। अशोक गुर्जर ढांड ने कहा कि विद्यालय का यह सौंदर्यकरण बच्चों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण प्रदान करेगा, जिससे उनकी रचनात्मकता और सीखने की क्षमता में वृद्धि होगी। साथ ही, यह पहल गांव में शिक्षा के स्तर को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में सहायक सिद्ध होगी। सामूहिक प्रयासों से ही विकास की यह यात्रा निरंतर आगे बढ़ती रहेगी।

ढांड। हरियाणा भाजपा के वरिष्ठ नेता अशोक गुर्जर सरकारी स्कूल में सौंदर्यीकरण का उद्घाटन करते हुए। फोटो: हरिभूमि

ग्रामीणों में विशेष उत्साह देखने को मिला

इस मौके पर गांव के सरपंच जसबीर गुर्जर ने बताया कि लगभग 35 लाख रुपए की लागत से पेपर ब्लाक, पेड़-पौधे, ग्रिलें, दोनों तरफ की दीवारों पर पेंटिंग, स्लोगन रंग-रोगन और आकर्षक सजावट से सुसज्जित किया गया है। यह विद्यालय अब बच्चों के लिए न केवल अधिक आकर्षक बनेगा, बल्कि उनके अध्ययन के प्रति रुचि और उत्साह को भी बढ़ाएगा। विद्यालय के नए स्वरूप को लेकर ग्रामीणों में विशेष उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम के दौरान ग्राम सचिव अश्विनी कुमार, प्रधानाचार्य राजीव कुमार सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इस मौके पर रामस्वरूप गांगल, मेजर कसाना, जोगिंदर पंवार, बलिराम पठानिया, बलकार गुर्जर, रोशन पंवार, नफे सिंह कसाना, राजपाल भारद्वाज, रामकरण फौजी आदि रहे।

खबर संक्षेप

मोटरसाइकिल चोरी के मामले में एक गिरफ्तार

कैथल। पुंडरी क्षेत्र में मोटरसाइकिल चोरी करने के मामले में पीएसआई नवनीत की टीम ने आरोपी मलकीत को गिरफ्तार किया है। सुमित कुमार की शिकायत अनुसार वह 28 फरवरी को अपनी मोटरसाइकिल लेकर गांव ट्योंठा गया था, जहां उसने बाइक को एक दुकान के पास गली में खड़ा किया। जब वह वापस लौटा तो उसकी मोटरसाइकिल नहीं मिलने पर पता चला कि कोई व्यक्ति उसकी बाइक को चोरी कर ले गया।

मारपीट करने की आरोपी महिला काबू

राजौंद। पीओ पकड़ो स्टाफ द्वारा आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पीओ पकड़ो स्टाफ प्रभारी एसआई ओमप्रकाश की अगुवाई में एएसआई पवन कुमार की टीम द्वारा महिला आरोपी राजौंद निवासी किरण को गिरफ्तार कर लिया गया। महिला आरोपी पर 26 जून 2020 को राजौंद में एक महिला के साथ लड़ाई झगड़ा करके चोटे मारने का आरोप है, जिस बारे थाना राजौंद में मामला दर्ज है।

पुलिस ने नशा तस्करों व शराब ठिकानों पर की जांच

कैथल। पुलिस ने थाना गुहला, चीका, सीवन, कलायत व पूंडरी क्षेत्र में संदिग्ध नशा तस्करों तथा अवैध शराब खुर्दों के ठिकानो पर पुलिस टीमों द्वारा सर्च अभियान चलाया गया। इस दौरान संदिग्ध नशा तस्करों के घरों, दुकानों की जांच सहित अन्य ठीकानो की छानबीन की गई कि कहीं किसी जगह कोई मादक पदार्थ छिपा रखा हो या कोई नशा बेचने वाला या आपराधिक कार्य करने वाला गैर कानूनी तरीके से न रहता हो। एसपी मनप्रीत सिंह सूदन ने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करना व अपराधियों व नशा व शराब तस्करों में भय उत्पन्न करना है। उन्होंने कहा कि इस अभियान में मुख्य रूप से नशे व अवैध शराब का कारोबार करने वालों पर शिकंजा कसना है।

दो बाइक सवार युवक से मोबाइल छीनकर फरार

कैथल। शहर के पिहोवा चौक से करनाल चौक के बीच देर रात पैदल जा रहे एक युवक से बाइक सवार दो युवक मोबाइल छीनकर फरार हो गए। सिविल लाइन थाना पुलिस ने मामले में शिकायत मिलने के बाद अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 24 मार्च की रात करीब 11 बजे वह पैदल सैर कर रहा था। इसी दौरान बाइक सवार दो युवकों ने मोबाइल छीन लिया और करनाल चौक की ओर भाग गए।

डीएवी में हवन कर किया नए सत्र का शुभारंभ

नरवाना। डीएवी शताब्दी पब्लिक स्कूल नरवाना में आज शनिवार को हवन यज्ञ में आहुतियां डाल कर आगामी सत्र का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम की संयोजिका रेणू बाला रही। विद्यालय के प्राचार्य गजेंद्र कुमार शर्मा ने हवन में मौजूद सभी बच्चों को तिलक लगाकर और पुष्प वर्षा कर स्वागत किया तथा बच्चों के उज्ज्वल भविष्य एवं समस्त स्टाफ सदस्यों के सुखमय जीवन हेतु आशीर्वाद दिया।

प्लांट में बनने वाली ऑक्सीजन होगी बूस्ट, मरीजों को मिलेगी सुविधा

नागरिक अस्पताल में खराब पीएसए ऑक्सीजन प्लांट के लिए पहुंचा बूस्टर

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल में नई बिल्डिंग के पास स्थापित किए गए पीएसए ऑक्सीजन प्लांट के लिए बूस्टर पहुंचा है। हालांकि पिछले दो साल से ऑक्सीजन प्लांट है। अब इसमें अब बूस्टर लगाया जाएगा। इस बूस्टर से प्लांट में बनने वाली ऑक्सीजन बूस्ट होगी और इसे पहले से ज्यादा प्रैशर से ऑक्सीजन प्वायंटों तक भेजा जा सकेगा। हालांकि पहले इस पीएसए ऑक्सीजन प्लांट से वेंटिलेटर नही चलाया जा सकता था। अब बूस्टर लगने के बाद इस प्लांट से वंटिलेटर भी चलेगा। बाकायदा ऑक्सीजन सिलेंडर भी भरे जा सकेंगे।

बूस्टर लगने के बाद प्लांट से सप्लाई होने वाली ऑक्सीजन से चलेगा वेंटिलेटर

जींद। नागरिक अस्पताल में नई बिल्डिंग के पास बना ऑक्सीजन प्लांट, जिस पर ताले लगे हैं व ऑक्सीजन प्लांट के लिए पहुंचा बूस्टर। फोटो: हरिभूमि

इमरजेंसी वार्ड व 100 बेड पर होती है सप्लाई

जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल 200 बेड का है। 200 बेड की व्यवस्था नई बिल्डिंग में है लेकिन स्वास्थ्य विभाग ने आपातकाल के लिए पुरानी बिल्डिंग में भी 100 बेड की व्यवस्था की गई है। पुरानी बिल्डिंग में सामान्य रोगियों को दाखिल करने की सुविधा है। पुरानी बिल्डिंग में ही इमरजेंसी, आइसीयू वार्ड है। इमरजेंसी वार्ड व अन्य पुरानी बिल्डिंग में पीएसए ऑक्सीजन प्लांट से ऑक्सीजन की सप्लाई होती है। जब यह ऑक्सीजन प्लांट खराब होता है तो सिलिंडरों के माध्यम से ऑक्सीजन की सप्लाई दी जाती है। यहां लगा ऑक्सीजन प्लांट लगभग पौने दो साल से खराब है। जिसके चलते सिलेंडरों से काम चलाया जा रहा है। ऐसे में इमरजेंसी वार्ड में भी ऑक्सीजन सिलिंडरों से काम चलाया जा रहा है।

पीएसए ऑक्सीजन प्लांट में लगेगा बूस्टर : डा. भोला

नागरिक अस्पताल के डिप्टी एमएस डा. राजेश भोला ने बताया कि पीएसए ऑक्सीजन प्लांट के लिए बूस्टर पहुंच गया है। यहां बूस्टर लगने के बाद पीएसए ऑक्सीजन प्लांट में बनने वाली ऑक्सीजन का प्रैशर बढ जाएगा। प्लांट शुरू होने से अस्पताल को फायदा होगा।

प्लांट के लिए पहुंचा बूस्टर

पीएसए ऑक्सीजन प्लांट को रनिंग में लाने के लिए इसकी क्षमता को बढाया जाएगा और बूस्टर लगाया जाएगा। जोकि नागरिक अस्पताल में पहुंच गया है।इस बूस्टर से प्लांट में बनने वाली ऑक्सीजन पहले से ज्यादा प्रैशर से पाइपों के माध्यम से ऑक्सीजन प्वायंटों तक पहुंचेगी। जिससे अब वेंटिलेटर तक चल सकेगा।

वर्ष 2021 में स्थापित हुआ था पीएसए ऑक्सीजन प्लांट

कोरोना की लहर थी तब ऑक्सीजन की बहुत ज्यादा आवश्यकता महसूस हुई थी। अस्पताल में वर्ष 2021 में प्रधानमंत्री केयर फंड से ऑक्सीजन प्लांट लगाया गया था। कुछ समय तक प्लांट ने ठीक से काम किया लेकिन पिछले पौन दो साल से यह खराब है। इस ऑक्सीजन प्लांट की सर्विस होनी है लेकिन स्वास्थ्य विभाग के पास बजट नही है। स्वास्थ्य विभाग ने स्वास्थ्य निदेशालय से बजट की मांग की है लेकिन बजट मिल नही पा रहा है।

प्लांट की क्षमता एक हजार लीटर ऑक्सीजन प्रति मिनट

ऑक्सीजन प्लांट की क्षमता एक हजार लीटर ऑक्सीजन प्रति मिनट है। इतनी अधिक मात्रा में ऑक्सीजन से 300 बेड का अस्पताल चलाया जा सकता है लेकिन स्वास्थ्य विभाग ने इस ऑक्सीजन प्लांट से पुरानी बिल्डिंग को ही जोड़ा है। यदि पूरे अस्पताल को इससे जोड़ा जाएगा तो यह भरोसे के लायक नहीं है। स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा बार-बार रिमाइंडर भी भेजे जा रहे हैं लेकिन ऑक्सीजन प्लांट ठीक नही हो पा रहा है। ऐसे में अगर फिर से कोराना जैसी कोई बीमारी आती है तो ऑक्सीजन के लिए अस्पताल फिर से गैस सिलेंडरों पर ही निर्भर होगा।

पूंडरी। पूर्व विधायक एवं प्रधान तेजवीर सिंह के साथ खो-खो की अव्वल छात्राएं व स्टाफ।

खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यमः डॉ. सिंगला

- ईश्वर सिंह कन्या कॉलेज की टीम ने जीती अंतर महाविद्यालय खो-खो प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ⏭पूंडरी

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के खेल प्रांगण में गत दिवस आयोजित अंतर-महाविद्यालय खो-खो चैंपियनशिप में चौ. ईश्वर सिंह कन्या महाविद्यालय पूंडरी की छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीतकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। प्रतियोगिता के दौरान टीम ने अपनी तेज गति, चुस्ती और बेहतरीन रणनीति का परिचय देते हुए सभी प्रतिद्वंद्वी टीमों को पीछे छोड़ दिया और जीत का परचम लहराया। कॉलेज के प्रधान चौ. तेजवीर सिंह ने खुशी जताते हुए कहा कि बेटियों ने खेल के मैदान में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संस्थान का मान बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि यह जीत खिलाड़ियों की मेहनत, अनुशासन और समर्पण का प्रतिफल है। कॉलेज की प्राचार्या डॉ. शकुंतला सिंगला ने विजेता टीम का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि खेलों के माध्यम से जहां शारीरिक स्वास्थ्य मजबूत होता है, वहीं अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना का भी विकास होता है। उन्होंने इस सफलता का श्रेय खिलाड़ियों के अथक प्रयासों और खेल विभाग के मार्गदर्शन को दिया। टीम की इस शानदार सफलता में शारीरिक शिक्षा विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. प्रेम लता और टीचर असिस्टेंट पिंकी का विशेष योगदान रहा, जिन्होंने खिलाड़ियों को कड़ी मेहनत और सटीक रणनीति के साथ प्रतियोगिता के लिए तैयार किया। उनकी देखरेख में टीम ने बेहतरीन खेल कौशल का प्रदर्शन किया।

प्रेरित किया

इस अवसर पर वरिष्ठ प्राध्यापिका डॉ. अमिता राणा ने भी पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि अन्य छात्राओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी और भविष्य में भी वे इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन करती रहेंगी। स्वर्ण पदक विजेता टीम में पारुल, रोमा, माफी, सिमरन, अंजू, तन्नू, नंदिनी, शालिनी, सानिया, दिव्यांशी, मन्नत, खुशबू और अंकिता शामिल रहीं। खिलाड़ियों के इस शानदार प्रदर्शन पर कॉलेज प्रबंधन और समस्त स्टाफ ने गर्व व्यक्त करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

खेतों में लहराया पीला सोना

- पशुपालन से जुड़े किसान गेहूं की हाथ से कटाई को देते है प्राथमिकता

हरिभूमि न्यूज ⏭राजौंद

क्षेत्र के किसानों के खेतों में खड़ी गेहूं की फसल अब पूरी तरह पककर पीला सोना बन चुकी है। फसल के तैयार होने के साथ ही किसानों ने कटाई से पहले की तैयारियां भी तेज कर दी हैं। जून व बेढ़ बांटने का कार्य लगभग पूरा हो चुका है, ताकि समय आने पर फसल और तूड़ी को समेटने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। किसान महावीर, रामू, रामफल, सुरेंद्र, हीरा, सतपाल, नन्हू और दीपक ने बताया कि बढ़ती गर्मी और तेज धूप के चलते गेहूं की फसल तेजी से पक रही है। पशुपालन से जुड़े किसान अब भी हाथ से कटाई को प्राथमिकता देते हैं, ताकि पशुओं के लिए चारा उपलब्ध हो सके। अब कम्बाइन और स्ट्रा रीपर के उपयोग से गेहूं की फसल को संभाला जा रहा है, जिससे थ्रेसिंग का पारंपरिक कार्य धीरे-धीरे कम होता जा रहा है।

राजौंद। खेतों में पककर तैयार हुई पीली पड़ी गेहूं की फसल। फोटो: हरिभूमि

खराब मौसम से बढ़ी किसानों की चिंता

कुछ किसानों ने यह भी बताया कि आधुनिक बीजों की फसल लंबे समय तक खेतों में खड़ी रखने से नुकसान हो सकता है, क्योंकि ये फसलें देरी को सहन नहीं कर पातीं। वहीं बदलते मौसम के कारण भी किसानों की चिंता बढ़ी हुई है, क्योंकि अचानक मौसम खराब होने से फसल को नुकसान पहुंचने का खतरा बना रहता है।

विकास रैली में सीएम देंगे अनेक सौगातें: बेदी

- प्रशिक्षण महाअभियान कार्यकर्ताओं को प्रभावी वक्ता बनाने का सुनहरा मौका

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का इतिहास संघर्ष, सेवा और राष्ट्रहित के मूल्यों से प्रेरित रहा है। पार्टी की मजबूती का आधार समर्पित कार्यकर्ता हैं। जो संगठन की विचारधारा को समाज के बीच लेकर जाते हैं। कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी शनिवार को स्थानीय गीता विद्या मंदिर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान में बीजेपी कार्यकर्ताओं के लिए मंडल स्तरीय प्रशिक्षण शिविरों में बोल रहे थे। बेदी ने कहा कि 370 मंडलों में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 के अंतर्गत कार्यकर्ताओं को प्रभावी वक्ता बनाने का मौका मिल रहा है। एक समर्पित कार्यकर्ता को इसका फायदा उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के शिविर कार्यकर्ताओं को संगठन की नीतियों और सिद्धांतों की गहराई से समझ प्रदान करते हैं। इससे कार्यकर्ताओं में संगठन के प्रति निष्ठा और सेवा भाव और अधिक मजबूत होता है। उन्होंने कहा कि पार्टी द्वारा देश वासियों के लिए अनेक कदम उठाए हैं। पार्टी के लिए देश सर्वप्रथम है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए सक्रिय रूप से कार्य करें।

जींद। प्रशिक्षण शिविर के दौरान मंच पर मौजूद मंत्री बेदी। फोटो: हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस मौके पर मुख्यमंत्री के मीडिया एडवाइजर अशोक छाबड़ा, जिला प्रभारी मदन गोयल, जिला अध्यक्ष तेजेंदर ढुल, प्रदेश संयोजक विजयपाल सिंह, चेयरमैन श्रवण गर्ग, मंडल अध्यक्ष गीता सहित अन्य भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भाजपा के 12 साल के शासन में युवा रोजगार के लिए मजबूरः सुरजेवाला

- कहा : मोदी-नायब सरकार की नाकामी का जीता-जागता प्रमाण, रोजगार की तलाश में युवा विदेश जाने को मजबूर

हरिभूमि न्यूज ⏭कैथल

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस महासचिव एवं सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कैथल से कहा कि भाजपा सरकार के 12 साल के शासन में आज युवा रोजगार के लिए त्राहिमाम त्राहिमाम कर रहा है। जमीन बेचकर, कर्ज उठाकर रोजगार की तलाश में विदेश जाने को मजबूर है और वहाँ भी मौत का शिकार हो रहा है। लेकिन केंद्र की मोदी सरकार व हरियाणा की नायब सैनी सरकार युवाओं के रोजगार को लेकर बेखबर और चुप्पी साधे हुए है। सुरजेवाला ने कहा कि करनाल जिले के गांव समौरा का 22 वर्षीय युवक चेतक शर्मा बेहतर भविष्य की तलाश में अपनी जमीन-जायदाद बेचकर और ₹60 लाख से अधिक रुपये लगाकर डंकी रूट 7 महीने के जानलेवा सफर के बाद अमेरिका गया था, आज उनकी अमेरिका के जॉर्जिया में गोली मारकर हत्या कर दी।

निजी क्षेत्र में नहीं आ रहा निवेश

सुरजेवाला ने भाजपा सरकार से सवाल करते हुए कहा कि क्यों हरियाणा में सरकारी नौकरियों में भर्तियां लंबित पड़ी हैं, निजी क्षेत्र में निवेश नहीं आ रहा और स्किल्ड युवा बेरोजगार घूम रहे हैं? उन्होंने 'मेक इन इंडिया' और 'स्किल इंडिया' जैसे दावों को महज प्रचार बताते हुए कहा कि पिछले एक साल में अकेले अमेरिका में हरियाणा के अनेकों युवकों की मौत हो चुकी है, फिर भी सरकार चुप्पी साधे हुए है।

इसी तरह मार्च महीने में ही कैथल जिले के तीन युवकों की मौत की खबरें आई हैं। सुरजेवाला ने कहा कि अकेले कैथल जिले में पिछले 14 महीनों में 9 युवकों की विदेश में मौत हो चुकी है। मार्च महीने में ही जिले के तीन युवकों की मौत की खबरें आई हैं, रोहेड़ा निवासी गीतिक शर्मा (रूस-यूक्रेन युद्ध), करोड़ा निवासी सुनील (अमेरिका में हार्ट अटैक) और दीपक (स्पेन में करंट लगने से)। तीनों परिवारों ने कर्ज लेकर या जमीन बेचकर उन्हें विदेश भेजा था, लेकिन वापसी सिर्फ शव के रूप में हुई।

पुष्पीय लक्षणों का किया अध्ययन

- केएम कॉलेज में पुष्पीय सर्वेक्षण व पौध पहचान का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭नरवाना

केएम राजकीय महाविद्यालय नरवाना में वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा स्थानीय पुष्पीय सर्वेक्षण एवं पौध पहचान गतिविधि का सफल आयोजन विभागाध्यक्ष प्रोफेसर समीक्षा जैन के निर्देशन में संपन्न हुआ। इस गतिविधि में बीएससी प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के जीव विज्ञान के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न पौधों के पुष्पीय एवं वानस्पतिक लक्षणों का सूक्ष्म अध्ययन किया व वैज्ञानिक आधार पर उनका वर्गीकरण किया। साथ ही पौधों के आर्थिक महत्व की जानकारी भी संकलित की गई। जिससे विद्यार्थियों के व्यावहारिक ज्ञान में वृद्धि हुई।

नरवाना। गतिविधि में भाग लेते हुए छात्राएं। फोटो: हरिभूमि

प्रकृति संरक्षण व अध्ययन पर किया प्रेरित

इस गतिविधि के दौरान विद्यार्थियों ने पारिजात शहतूत, आंवला, करी पत्ता, नीम तथा गुड़हल जैसे प्रमुख पौधों का अवलोकन एवं पहचान की। इस अवसर पर महाविद्यालय के कृष्ण कुमार ने कार्यक्रम का अवलोकन किया और विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें प्रकृति के संरक्षण और अध्ययन के प्रति प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि किस प्रकार की गतिविधियां विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने के साथ-साथ पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में सहायक सिद्ध होती हैं।

क्रॉप सर्वे को पूरा करें अधिकारीः हुड्डा

- डिजिटल क्रॉप सर्वे को लेकर एसडीएम ने ली बैठक, अधिकारियों को दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭कलायत

एसडीएम अजय हूड्डा की अध्यक्षता में शनिवार को डिजिटल क्रॉप सर्वे से संबंधित एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में बीडीपीओ, तहसीलदार/नायब तहसीलदार, सभी पटवारी, ग्राम सचिव, कृषि विभाग तथा सिंचाई विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान डायरेक्टर लैंड रिकॉर्ड्स द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार डिजिटल क्रॉप सर्वे डाटा को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने पर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि सर्वे से जुड़ा कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरी जिम्मेदारी के साथ पूरा किया जाए। बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए गए कि वे अपने-अपने क्षेत्र में डाटा संकलन और अपलोडिंग की प्रक्रिया को प्राथमिकता दें, ताकि कार्य समय पर पूर्ण हो सके।

कलायत। एसडीएम अजय हूड्डा अधिकारियों की बैठक को संबोधित करते हुए।

कार्य में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त

एसडीएम अजय हुड्डा ने कहा कि डिजिटल क्रॉप सर्वे के डाटा की सटीकता और समय पर पूर्णता बेहद महत्वपूर्ण है, इसलिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अब तक जिले के 31 स्कूलों ने सबमिट किया फार्म छह, 31 मार्च अंतिम तिथि

जिले के 396 स्कूलों को एमआइएस पोर्टल पर जमा करना है फार्म

नए शैक्षणिक सत्र में फीस बढ़ाने से पहले सभी निजी स्कूलों को भरना होगा फार्म 6

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

नए शैक्षणिक सत्र में फीस बढ़ाने से पहले निजी स्कूलों को फार्म 6 अनिवार्य रूप से भरना है। जिले के 396 स्कूलों को एमआइएस पोर्टल पर आनलाइन माध्यम से फार्म 6 जमा कराना है। जिसमें से 31 स्कूलों ने फार्म छह सबमिट कर दिया है और 365 स्कूलों द्वारा फार्म 6 अपलोड करने की प्रक्रिया प्रोसेस में है। शिक्षा निदेशालय के आदेशानुसार 31 मार्च तक फार्म 6 जमा करवाने का समय है। इससे पहले निजी स्कूल संचालक अपने स्कूलों में फीस की बढ़ोतरी नहीं कर सकेंगे। हर वर्ष नए शैक्षणिक सत्र के दौरान अधिकतर निजी स्कूलों में फीस बढ़ोतरी कर अभिभावकों की जेब पर आर्थिक बोझ डाला दिया जाता है। निदेशालय के आदेश अनुसार स्कूल संचालक 31 मार्च तक फार्म 6 आनलाइन माध्यम से भर सकते हैं। शिक्षा विभाग के अधिकारियों के अनुसार फार्म 6 में स्कूल के मुखिया का नाम, फोन नंबर, ईमेल आईडी, स्कूल का पिन कोड, प्रबंधन समिति या ट्रस्ट का नाम भरना जरूरी है। स्कूल की मान्यता की कापी भी लगाना आवश्यक है। निजी स्कूल केवल पंजीकरण, दाखिला, बोर्ड परीक्षा व फार्म छह में स्वघोषित समग्र फीस ही ले सकेंगे।

जींद। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय। फोटो: हरिभूमि

फार्म से अधिक फीस वसूलने पर होगी कार्रवाई

जिला शिक्षा अधिकारी रितु पंघाल ने बताया कि नए शैक्षणिक सत्र में सभी स्कूलों को फार्म 6 आनलाइन भरना अनिवार्य है। फार्म छह अपलोड करने के बाद ही नए सत्र में फीस बढ़ोत्तरी कर सकेंगे। अगर किसी स्कूल ने फार्म 6 में भरी जाने वाली फीस से अधिक फीस विद्यार्थियों से वसूली तो शिक्षा विभाग की ओर से उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 29 मार्च 2026

जीवन की दिशा बदल देगा जापानी दर्शन
मिलेगी अच्छी सेहत-खुशी और सुकून

शांति पसंद करने वाले खुशहाल-समृद्ध देश जापान के लोगों का जीवन दर्शन ही ऐसा है, जो उन्हें बेहतर स्वास्थ्य और भरपूर सुकून देता है। जापानी जीवन दर्शन के कुछ सरल सिद्धांत अपनाकर आप भी अपने जीवन में खुशहाली के साथ सफलता भी हासिल कर सकते हैं। जापानी दर्शन के ऐसे ही कुछ सिद्धांतों के बारे में जानिए।

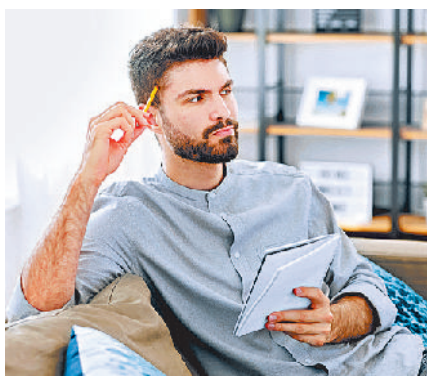

{ कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन }

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हर कोई सफलता के साथ-साथ सुकून और शांति की चाहत भी रखता है। लेकिन समृद्धि और सामाजिक प्रतिष्ठा के पीछे भागते हुए हम अकसर उस सबसे कीमती चीज को खो देते हैं, जिसे 'सुकून' कहते हैं। गलत खान-पान, बढ़ती मानसिक-शारीरिक बीमारियां, तनाव, अकेलापन और हर वक्त मन में कुछ अधूरा-सा महसूस होना, आधुनिक समय में लगभग हर व्यक्ति की समस्या बन चुकी है। ऐसे में सदियों पुराने जापानी जीवन दर्शन से हम बहुत कुछ सीख सकते हैं।

हारा हाची बु सेहत-दीर्घायु का आहार मंत्र

जापानी स्वास्थ्य दर्शन का एक गोल्डन रूल है 'हारा हाची बु'। इसका सरल अर्थ है, 'केवल तब तक खाएं, जब तक आपका पेट 80 प्रतिशत न भर जाए।' यह सिद्धांत हमें 'ओवर ईटिंग' से बचाता है। वैज्ञानिक रूप से, मस्तिष्क को पेट भरने का संकेत मिलने में लगभग 20 मिनट लगते हैं। जब हम 80 प्रतिशत पर रुक जाते हैं, तो हम वास्तव में अपनी भूख के अनुसार सटीक मात्रा में खाते हैं। यह आदत हमें मोटापे, हृदय रोग और मधुमेह को दूर रखती है। जापान के प्रांत ओकिनावा के लोगों की लंबी उम्र का एक बड़ा कारण इस जीवन दर्शन को माना जाता है।

शोकूनिन अपने काम में रुचि लेना

जो लोग अपने पेशे या व्यवसाय को बोझ समझते हैं और अपनी किस्मत को कोसते हुए इसे किसी तरह निपटाने की मानसिकता रखते हैं, वे न तो प्रोफेशनल फ्रंट पर सफल हो पाते हैं न सुखी रहते हैं। ऐसे में आपको जापानी दर्शन 'शोकूनिन' समझना चाहिए। इसका अर्थ केवल 'कारीगर' से संबंधित नहीं है, बल्कि यह एक दृष्टिकोण है। एक शोकूनिन अपने काम को पूर्णता के साथ करने के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर देता है, चाहे वह सुशी जैसी डिश बनाना हो या जूते की सिलाई करना हो। इसमें हमारे काम के प्रति गहरी जिम्मेदारी का भाव निहित होता है। यह दर्शन हमें सिखाता है कि काम केवल पैसा कमाने का जरिया नहीं, बल्कि अपने व्यक्तित्व को निखारने का एक साधन भी है। जब हम शोकूनिन भाव से काम करते हैं, तो काम बोझ नहीं, बल्कि आनंद का जरिया बन जाता है।

काइजन छोटे सुधारों का जादू महसूस करें

जापानी दर्शन काइजन का अर्थ है-बेहतरी के लिए बदलाव। अकसर हम सोचते हैं कि जीवन बदलने के लिए रातों-रात कोई बड़ा परिवर्तन करना होगा। लेकिन काइजन कहता है कि आप हर दिन स्वयं में केवल एक प्रतिशत सुधार करें। जैसे आदतों में, अनुशासन में, नई चीजें सीखने में, रिश्तों में। ये छोटे-छोटे सुधार साल के अंत में आपको एक नया इंसान बना देंगे। टोयोटा जैसी कंपनियों की सफलता में बड़ी भूमिका निभा चुकी यह जीवन पद्धति, व्यक्ति के रूप में हमें भी नई ऊंचाइयों पर ले जाती है।

वाबी-साबी अपूर्णता में सुंदरता की तलाश

हम एक ऐसे युग में जी रहे हैं, जहां 'परफेक्ट' दिखने का जुनून हम में से अधिकतर लोगों पर हावी है। जापानी दर्शन 'वाबी-साबी' इसके विपरीत बात कहता है। यह हमें सिखाता है कि कुछ भी स्थायी नहीं है और कुछ भी पूर्ण नहीं है। पुराने पत्थरों पर जमी काई या दरार पड़े मिट्टी के बर्तनों में भी एक इतिहास और सुंदरता होती है। यह दर्शन हमें अपनी कमियों को स्वीकार करना सिखाता है। जब हम अपनी 'अपूर्णता' को स्वीकार कर लेते हैं, तो अनावश्यक सामाजिक प्रदर्शन का अनावश्यक बोझ उतर जाता है।

किंतसुगी जख्मों का स्वर्ण श्रृंगार

जापान में जब कोई मिट्टी का बर्तन टूटता है, तो उसे फेंकने के बजाय सोने की परत से जोड़ा जाता है। इसे 'किंतसुगी' कहते हैं। यह हमें सिखाता है कि हमारे जीवन के घाव, असफलताएं और बुरे अनुभव हमें कमजोर नहीं, बल्कि और भी कीमती बनाते हैं। टूटने के बाद जब हम खुद को फिर से जोड़ते हैं, तो हम पहले से कहीं ज्यादा मजबूत, सुंदर और अद्वितीय होकर उभरते हैं।

शिनरिन-योकू प्रकृति की मौन चिकित्सा

जापानी लोग 'फॉरेस्ट बाथिंग' में विश्वास रखते हैं। इसका अर्थ है प्रकृति के माहौल को अपनी पांचों इंद्रियों से महसूस करना। मोबाइल, टीवी, लैपटॉप को छोड़कर नेचर के करीब समय बिताना एक कारगर चिकित्सा है। नेशनल ज्योग्राफिक के शोध के अनुसार, पेड़ों के बीच समय बिताने से तनाव का हार्मोन 'कोर्टिसोल' कम होता है और इम्यूनिटी बढ़ती है।

गमन धैर्य और गरिमा का संगम

जापानी दर्शन 'गमन' का अर्थ है प्रतिकूल परिस्थितियों में भी धैर्य बनाए रखना। चाहे सुनामी आए या व्यक्तिगत संकट, जापानी समाज विलाप करने के बजाय शांत रहकर पुनर्निर्माण में जुट जाता है। यह दर्शन हमें सिखाता है कि सहनशीलता का अर्थ हार मानना नहीं, बल्कि कठिन समय में गरिमा के साथ अडिग रहना है।

इकिगाई सुबह जागने का ठोस कारण

जापान के ओकिनावा द्वीप को 'ब्लू जोन' कहा जाता है, जहां लोग 100 साल से अधिक जीते हैं। उनकी लंबी आयु का रहस्य है-इकिगाई के अनुसार जीना। इकिगाई का अर्थ है, जीवन जीने का उद्देश्य। यह चार स्तंभों पर टिका होता है। आप क्या पसंद करते हैं, आप किसमें कुशल हैं, दुनिया को इससे क्या मिलेगा और आपको किस काम के लिए पैसे मिल सकते हैं? फोर्ब्स के अनुसार, जिस दिन व्यक्ति को अपनी इकिगाई मिल जाती है, उसके जीवन से बोरियत, ऊब, तनाव और 'रिटायरमेंट' जैसे शब्द गायब हो जाते हैं, क्योंकि वह ऐसा काम कर रहा होता है जिससे उसे प्यार होता है।

जापानी दर्शन के ये सरल सिद्धांत अगर आप अपनाकर जीवन जीना सीख लें तो आपको जीवन में भरपूर खुशी और सुकून मिलेगा। *

सोलो एजिंग बढ़ती उम्र में जिंदगी का भरपूर मजा

अभी तक यही माना जाता रहा है कि सेवानिवृत्त और दायित्वों से मुक्त होने के बाद बुजुर्ग लोग अकेलेपन-उदासी भरी जिंदगी जीते हैं। लेकिन कई अध्ययनों से साबित हुआ है कि बुजुर्ग अब सोलो एजिंग को खूब एंज्वॉय करना सीख गए हैं। अब वे उदास नहीं हर पल को खुल कर जीते हैं।

{ लाइफस्टाइल
डॉ. मोनिका शर्मा }

एक ताजा अध्ययन में बुजुर्गों से जुड़ा यह निष्कर्ष सामने आया है कि उम्रदराज लोग अब शिकायतों के बजाय खुद को संभालने की राह चुन रहे हैं। स्टडी में शामिल अधिकतर वरिष्ठजनों ने बताया कि वे पांच साल से ज्यादा समय से अकेले रह रहे हैं। उम्र के इस पड़ाव पर जिंदगी को मैनेज करने में आने वाली परेशानियों को भूलकर उन्होंने अकेले रहना चुना है। सोलो एजिंग के इस सफर में अपने जीवन से खुश रहने वाले बुजुर्गों का आंकड़ा ज्यादा है। एजवेल फाउंडेशन की इस रिपोर्ट के मुताबिक हमारे देश में सोलो एजिंग का चलन तेजी से बढ़ रहा है। अकेले रहने वाले बुजुर्गों में 46.9 फीसदी सोलो एजर्स अपनी जिंदगी से खुश हैं, जबकि 41.5 प्रतिशत असंतुष्ट हैं। 10,000 बुजुर्गों को लेकर की गई यह स्टडी उम्रदराज लोगों के मन और जीवन का बदलता खाका हमारे सामने रखती है।

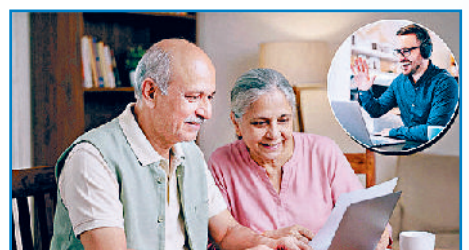

शिकायत नहीं एडजस्टमेंट की सोचः बच्चों के करियर के लिए विदेश या दूसरे शहरों में जाने के बाद अकेले रह रहे बुजुर्ग, दोषारोपण के बजाय अपनी देखभाल खुद ही करने की राह चुन रहे हैं। यह सच है कि संयुक्त परिवारों के टूटने से घर के बड़े सदस्यों में अकेलापन बढ़ा है पर वे अपने आप को बिजी रखना भी सीख रहे हैं। दूर रहने वाले बच्चों से जुड़े रहने के लिए गैजेट्स को यूज करना सीख रहे हैं। बुजुर्ग यह समझते हैं कि उनके बच्चे चाहकर भी हर समय उनके साथ नहीं रह सकते। यही वजह है कि इन हालातों में तनाव में घिरने के बजाय वे खुशी-खुशी जीवन से जूझने के रास्ते पर चलने लगे हैं। सोलो एजिंग का यह ट्रेंड बड़े-बुजुर्गों की बदलती लाइफस्टाइल से जुड़े इसी पहलू की तस्दीक करता है।

सक्रियता को प्राथमिकताः सुखद यह है कि सोलो एजिंग का ट्रेंड कोई थोपे जाने वाला चलन नहीं है। अकेले रहने वाले बुजुर्ग बहुत-सी परेशानियों का सामना करने के बावजूद खुद को सक्रिय रखने के फ्रंट पर जी-जान से जुटे रहते हैं। थकते कदमों के बावजूद अपनी जिम्मेदारियों का बोझ नहीं, बल्कि सक्रिय रहने का बहाना मानते हैं। अकेले सब कुछ मैनेज करने के दबाव को एक्टिव और सधी हुई जीवनशैली के रूप में देखने लगे हैं। इस उम्र में सेहत और सामाजिक जीवन से जुड़ी बहुत-सी उलझनों के बीच भी अपने मन को संभालने का जतन वे खुशी से कर रहे हैं। किसी भी तरह के व्यायाम, वॉकिंग, योग आदि के लिए समय निकालते हैं। एक्टिव एजिंग वाली जीवनशैली, उनको स्वस्थ रखने में भी अहम भूमिका निभाती है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन के मुताबिक एक्टिव एजिंग, बुढ़ापे को एक प्रोडक्टिव और खुशनुमा अनुभव बनाने की स्ट्रेटजी है, न कि इसे अंत मानने की। मौजूदा दौर में बुजुर्ग इस खुशनुमा ट्रांसफॉरमेशन के लिए तकनीक की मदद भी ले रहे हैं। ऑनलाइन सुविधाओं से लेकर अपने बच्चों और रिश्तेदारों से जुड़े रहने तक, बुजुर्गों ने तकनीक के नए रंगों को सहजता से अपनाया है।

कर रहे आजादी का एहसासः असल में सोलो एजिंग के चलन से आत्मनिर्भर बनने का भाव भी जुड़ा है। अपनी जिंदगी को अपने अंदाज में जीने से आजादी का गहरा एहसास भी जुड़ा है। यही वजह है कि अकेलेपन और हेल्थ से जुड़ी बहुत-सी चुनौतियों के बावजूद बुजुर्गों का एक बड़ा वर्ग यानी 46.9 प्रतिशत बुजुर्ग इन हालातों को स्वतंत्र रूप से अपना जीवन जीने के तौर पर भी देख रहा है। इसी एक पॉजिटिव सोच के चलते उम्रदराज लोग अकेले रहकर भी अपने जीवन से खुश हैं। इस स्टडी के मुताबिक 31 फीसदी से ज्यादा बुजुर्गों ने फाइनेंशियल और सोशल स्वतंत्रता के लिए अकेले रहने का विकल्प चुना है। वहीं 26.7 फीसदी का कहना है कि परिवार के युवा मेंबर्स के बाहर जाने से वे अकेले रह रहे हैं। नई पीढ़ी के दूर जाने को लेकर कोई शिकायत करने के बजाय बुजुर्ग इसे इंडिपेंडेंट रहने के अवसर की तरह देखने लगे हैं। शारीरिक रूप से नहीं भावनात्मक फ्रंट पर भी बुजुर्ग अब दूसरों पर निर्भर नहीं रहना चाहते। उम्रदराज लोगों के लिए यह स्वतंत्रता उनके सुकून से भी जुड़ी है। *

{ व्यंग्य / राजा चौरसिया }

बने रहो पगला...

'बने रहो पगला, काम करे अगला' की रीति-नीति से प्रीति का रवैया आज सुपरहिट हो चुका है। आप ऐड़ा बनकर पेड़ा खाते रहेंगे और जो बुद्धिमान हैं, काम में खपते और मन ही मन कुढ़ते रहेंगे।

यह सेंट पर्सेंट पेटेंट सत्य है कि एकरसता से नीरसता ही उपजती है। पतझड़ के बाद ही वसंत वाली बहार की भरमार आती है। इसी प्रकार बीमार के लिए अनार परोसने के क्रिया-कलाप का प्रदर्शन अनिवार्य कार्य है। यदि उत्सव न होते तो ढेर सारी सुख- सुविधाओं के रहते हुए भी खुशी के अभाव में नदी किनारे घोंघा प्यासा की कहावत ही चरितार्थ होती रहती। जैसे रात के बाद ही प्रभात आता है, अमावस्या के उपरांत ही पूर्णिमा होती है। इसी प्रकार मूर्खता के पश्चात ही विद्वता का अवतरण होता है। कीचड़ के बिना कमल की कल्पना, धुएं के बादलों से बरसात की सरासर झूठी कल्पना सरीखी है। हार्ट को रुचने वाले शॉर्ट और स्मार्ट शब्दों में यह डंके की चोट पर कहा जा सकता है कि मूर्खता या मूढ़ता ही विद्वता की मातेश्वरी होती है। हाथी के दांत के आचरण वाले उदाहरण हवा-पानी की तरह यत्र-तत्र, सर्वत्र व्याप्त हैं। इसकी महत्ता को समझते हुए ही कुछ चतुर चालाक लोग बुद्धिमान होते हुए भी मूढ़ बने रहते हैं। इसीलिए संयोग नहीं बल्कि दुर्योग है कि असली और फसली मूर्खों से ज्यादा नकली मूर्खों की तादाद बेमियाद बढ़-चढ़ रही है। अत्याधुनिकता की मानसिकता एवं प्रासंगिकता को प्राथमिकता देने से नकली मूर्खों या धूर्तों की बाढ़ खासी प्रगति पर है। झूठे शुभचिंतकों तथा सच्चे अशुभचिंतकों के इस काबिलेगौर दौर में चातुर्य का प्राचुर्य रहते हुए भी दूसरों के सामने मूर्ख, बुद्धू, घुग्घू और उल्लू बने रहने के कायदे से फायदे ही फायदे हैं। मन से थू-थू करते हुए भी मुंह से आई लव यू कहना अवसरवाद का बढ़िया अपडेट सर्टिफिकेट है। मीठे गवाक्ष से तीखे कटाक्ष करने का बेहतरीन एवं हसीन आइडिया है। बुद्धिजीवी को मित्र बनाना मूर्खता है, लेकिन किसी मूर्ख को बुद्धिमान होने का आभास कराना सबसे कारगर बुद्धिजीविता है। 'बने रहो पगला, काम करे अगला' की रीति-नीति से प्रीति का रवैया आज सुपरहिट हो चुका है। घर, दफ्तर हो या आस-पड़ोस सरल से सरल काम भी न कर पाने का प्रमाण दिखाकर आपको मूर्ख घोषित कर दिया जाएगा तो आगे कभी कोई काम करने की जिम्मेदारी आपको नहीं मिलेगी। आप ऐड़ा बनकर पेड़ा खाते रहेंगे और जो बुद्धिमान हैं, काम में खपते और मन ही मन कुढ़ते रहेंगे। मूर्ख न होकर भी मूर्ख बने रहने से ही दांपत्य जीवन की कुशलता विशेष तो नहीं, मगर शेष बची ही रहती है। जान-बूझकर उल्लू यानी गृहलक्ष्मी के वाहन बने रहने से गृहस्थी की गाड़ी सरपट दौड़ती रहती है। ज्वालामुखी को चंद्रमुखी अर्थात् लालमिर्ची को मिश्री कहने का यह नीक-सलीका भरपूर स्वागतेय है। विद्वता झाड़ते हुए तर्क, वितर्क और कुतर्क से बेकार का भेजा भंजन ही होता है, जबकि जन्म से ही मूर्ख पैदा हुए उच्च पदासीन मंत्री या अफसर को इंटेलीजेंट, ब्रिलिएंट तथा डिलीजेंट होने का आभास कराते रहने से अपना उल्लू सीधा होता रहता है। जनता का सेवक बनकर महानुभाव कितनी मलाई खाते हैं, यह सेवा करवाने वाली जनता खूब जानती और समझती है। दरअसल, जनतंत्र में तो जनता मूर्ख न होकर भी मूर्ख बनती ही रहती है। उसके लिए कोई खास दिन नहीं, हर दिवस सहर्ष मूर्ख दिवस ही होता है। मूर्ख दिवस वास्तव में उन लोगों का ही उत्सव है, जो दीन, हीन और खुद को मूर्ख बताकर दूसरों को मूर्ख बनाते हैं, अपना काम निकलवाते हैं। *

विज्ञापन...
इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार
नोट :- वरिष्ठ नागरिकों (60 वर्ष के ऊपर) का उपचार मात्र 12 हजार रुपए में।
सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आइये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ–

केन्द्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया जी से स्पाइन के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए डॉ प्रमोद पहारिया अवार्ड प्राप्त करते हुए।

दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है ?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। NBC@

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक विशेष मशीन की निगरानी में किया जाता है।

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन- सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
देहली हॉस्पिटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय : दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

मेरे लिखने की मेज

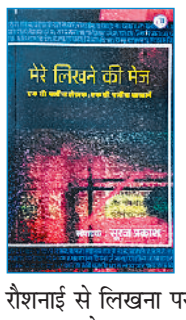

हाल में वरिष्ठ साहित्यकार सूरज प्रकाश के संपादन में 'मेरे लिखने की मेज' पुस्तक छपकर आई है। इसमें नई और वरिष्ठ पीढ़ी के कुल मिलाकर 125 लेखकों की उनके लेखन से जुड़ी दास्तानें दर्ज हैं। यह किताब पढ़कर लेखन प्रक्रिया को अलग-अलग दृष्टिकोणों से समझा जा सकता है। कोई रचना लिखने की शुरुआत कैसे होती है, उसके लिए अनुकूल स्थिति या वस्तुएं क्या होती हैं, लिखने के पहले और उसके बाद किस तरह का अनुभव होता है, कौन से कारण लिखने के लिए किसी लेखक को विवश करते हैं? ऐसे तमाम सवालों के जवाब किताब में शामिल लेखकों ने दिए हैं। वरिष्ठ लेखक असगर वजाहत अपने लेखन के बारे में कहते हैं, 'सफेद कागज पर काली रौशनाई से लिखना पसंद करता हूं। सफेद को काला करने का जुनून सा उठता रहता है। सफेद कागज मुझे बेचैन कर देता है।' अपने लेखन के बारे में आकांक्षा पारे कहती हैं, 'मुझे रात की जरूरत होती है, जब मुझे पता है, कोई फोन नहीं करेगा, दरवाजे की कोई घंटी नहीं बजेगी।' वरिष्ठ कथाकार प्रकाश मनु लेखन को पूजा-अर्चना की तरह पवित्र कर्म मानते हैं। वह कहते हैं, 'अपने कमरे के जिस कोने में बैठकर मैं लिखता-पढ़ता हूं, वहां गंगा, यमुना, सरस्वती तीनों नदियां बहती हैं। इसलिए उससे पवित्र स्थान तो कोई और हो ही नहीं सकता।' वरिष्ठ कवि लीलाधर मंडलोई अपनी रचना प्रक्रिया के बारे में कहते हैं, 'लिखते वक्त अपने संगतकारों यानी डायरी, कागज, पेन और लिखने की आधार जगह से संगत बनाता हूं... और मैं आगत रचना के सामने विनत भाव से बैठ जाता हूं।'

भले ही यह किताब किस्से, कहानी या कविता की नहीं है लेकिन इसे पढ़ने के दौरान रोचक कहानियों के पढ़ने जैसा ही आनंद आता है। *

पुस्तकः मेरे लिखने की मेज, संपादकः सूरज प्रकाश, मूल्यः 449 रुपए, प्रकाशकः अद्विक पब्लिकेशन, दिल्ली

रोचक
अंजू जैन

अप्रैल फूल-डे स्पेशल

फर्स्ट अप्रैल यानी अप्रैल फूल डे पर लोग एक-दूसरे के साथ प्रैंक कर खूब एंज्वॉय करते हैं। अतीत में इस मौके पर कुछ मशहूर कंपनियों, टेलीविजन और रेडियो स्टेशंस ने ऐसे प्रैंक्स किए, जिसकी पूरी दुनिया में चर्चा हुई। यहां ऐसे ही कुछ चर्चित अप्रैल फूल प्रैंक्स के बारे में बता रहे हैं।

दुनिया भर में मशहूर हुईं ये मजेदार शरारतें

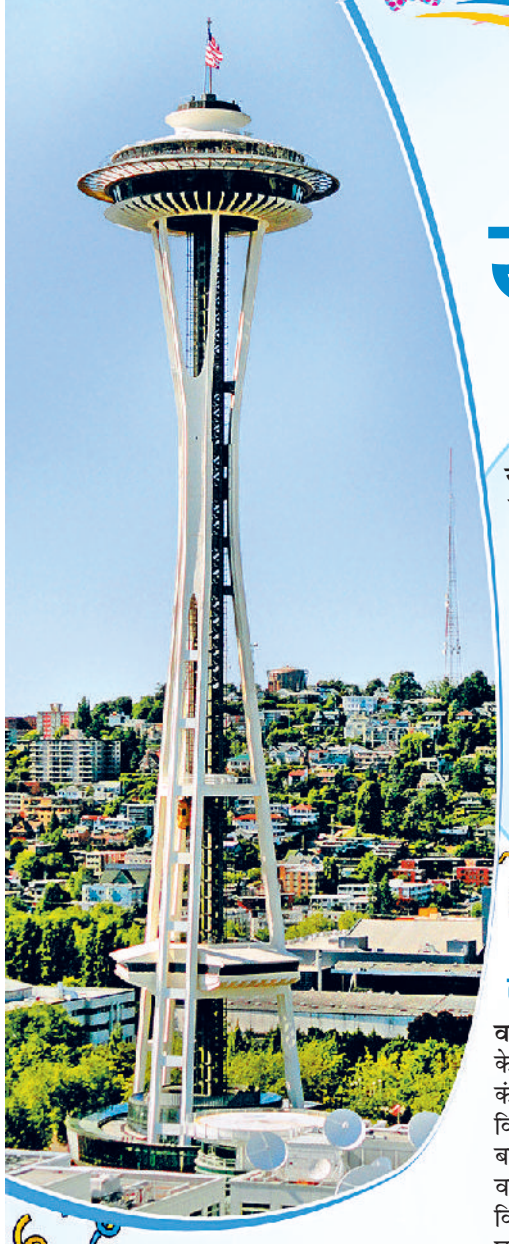

स्पेस नीडल गिरने की खबर

यह प्रैंक 1 अप्रैल 1989 को शाम के समय टीवी पर प्रसारित किया गया था। सिएटल के एक स्थानीय स्केच कॉमेडी शो, 'ऑलमोस्ट लाइव!' ने किंग टीवी पर एक विशेष रिपोर्ट प्रसारित की थी। रिपोर्ट में गंभीरता से दावा किया गया कि शाम 6:53 पर वाशिंगटन के सिएटल में स्थित स्पेस नीडल गिर गई है। शो ने टॉवर के गिरने की फर्जी तस्वीरें और चश्मदीदों के झूठे इंटरव्यू भी दिखाए। यह प्रैंक इतना विश्वसनीय लगा कि पूरे सिएटल में दहशत फैल गई। लोगों ने घबराहट में इमरजेंसी सेवाओं पर इतने फोन किए कि लाइनें ठप हो गईं। यहां तक कि टॉवर के आस-पास रहने वाले लोग भागने लगे। स्थिति बिगड़ने के बाद, चैनल को तुरंत स्पष्ट करना पड़ा कि यह सिर्फ एक मजाक था। बाद में, शो के निर्माताओं और चैनल को इस प्रैंक के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी पड़ी थी। *

टूथपेस्ट से बर्गर की स्मेल

साल 2017 में फास्ट-फूड चेन बर्गर किंग ने दावा किया कि उन्होंने एक ऐसा टूथपेस्ट बनाया है, जिसमें एक्टिव हॉपर अर्क है, इसके कारण आपके मुंह से हमेशा बर्गर की खुशबू आएगी। लोग ब्रश करने के बाद भी अपने पसंदीदा बर्गर के स्वाद का आनंद ले सकेंगे। विज्ञापन में बताया गया कि इसमें 'व्हाइटनिंग अनियन' (सफेद करने वाले प्याज), 'डेली फ्रेश टोमैटो' (ताजा टमाटर) और एंटी-कैविटी स्टेक (कैविटी रोकने वाला मांस) जैसी चीजें शामिल हैं। इस प्रैंक को असली दिखाने के लिए बर्गर किंग फ्रांस और विज्ञापन एजेंसी बजमैन ने एक 60 सेकेंड का कमर्शियल वीडियो भी जारी किया था। यह प्रैंक मार्च के अंत में (29-31 मार्च) शुरू किया गया था ताकि 1 अप्रैल तक लोगों को भ्रमित किया जा सके। यह केवल एक मजेदार विज्ञापन अभियान था और बर्गर किंग ने कभी-भी ऐसा कोई टूथपेस्ट बाजार में नहीं बेचा। *

लेफ्ट-हैंडेड बर्गर

वर्ष 1998 में एक अप्रैल के आस-पास बर्गर किंग कंपनी ने अखबारों में विज्ञापन दिया कि उन्होंने बाएं हाथ से काम करने वाले लोगों के लिए एक विशेष बर्गर बनाया है, जिसमें सभी मसाले 180 डिग्री घुमाकर रखे गए हैं। यह सुनकर हजारों लोग इसे ऑर्डर करने लगे। बाद में पता चला कि यह प्रैंक था। *

हूटर्स वेट्रेस और योडा

वर्ष 2001 में घटित हुई एक घटना, जो एक मजाक के रूप में शुरू हुई थी, लेकिन बाद में यह कानूनी लड़ाई में बदल गई थी। इसे 'टॉय योडा' केस के रूप में जाना जाता है। हुआ यह कि अप्रैल 2001 में, पनामा सिटी बीच, फ्लोरिडा के हूटर्स रेस्तरां के मैनेजर ने अपनी वेट्रेसेस के बीच बीयर बेचने की एक प्रतियोगिता रखी। मैनेजर ने वादा किया कि जो सबसे ज्यादा बीयर बेचेगी, उसे इनाम में एक नई टोयोटा (कार) दी जाएगी। जोडी बेरी नाम की वेट्रेस ने सबसे ज्यादा बिक्री की और प्रतियोगिता जीत ली। जब इनाम देने का वक्त आया, तो मैनेजर ने जोडी की आंखों पर पट्टी बांधी और उसे पार्किंग लॉट में ले गया। लेकिन वहां कोई कार नहीं थी। इसके बजाय उसे 'स्टार वार्स' फिल्म के पात्र योडा का एक खिलौना थमा दिया गया। जोडी को यह मजाक बिल्कुल पसंद नहीं आया। उसने नौकरी छोड़ दी। यही नहीं रेस्तरां पर धोखाधड़ी और अनुबंध तोड़ने का मुकदमा भी दायर कर दिया। *

स्क्रीन में सुगंध

साल 2013 में गूगल ने अपने एक नए फीचर 'गूगल नोज' के जरिए दावा किया था कि अब लोग सर्च इंजन के माध्यम से चीजों को सूंघ भी सकेंगे। दावा किया गया कि उनके पास 15 मिलियन से अधिक सुगंधों का डेटाबेस है। गूगल यूजर्स को इसका अनुभव लेने के लिए कहा गया कि वे सर्च बार में जाकर कुछ सर्च करें और फिर अपने डिवाइस की स्क्रीन के करीब जाकर सूंघें। इसमें 'नई कार की महक', 'गीले कुत्ते की महक' और यहां तक कि 'मिस्र के मकबरे' जैसी अजीबो-गरीब चीजों को सूंघने का विकल्प दिया गया था। लेकिन इसे टेस्ट करने के लिए जब लोग स्क्रीन सूंघने की कोशिश करते और कुछ महसूस नहीं होता, तो अंत में एक संदेश आता कि यह अप्रैल फूल प्रैंक था। *

पर्यटन स्थल
समीर चौधरी

स्पीति घाटी हिमाचल प्रदेश का प्रसिद्ध पर्यटन स्थल है। लेकिन अगर आप यहां स्वच्छ, मनोरम वादियों के बीच आध्यात्मिक शांति का अनुभव लेना चाहते हैं तो 'की गोंपा' यानी 'की मठ' जरूर जाना चाहिए। इसकी विशेषताओं पर एक नजर।

स्वर्ग जैसी अनुभूति देता है स्पीति घाटी का 'की मठ'

हिमाचल प्रदेश के स्पीति में काजा से लगभग 12 किलोमीटर की दूरी पर स्थित 'की मठ' की सैर के दौरान आपको एहसास होगा कि जैसे स्वर्ग पृथ्वी पर उतर आया है। हालांकि अपने देश और हिमाचल प्रदेश के अन्य पर्वतीय पर्यटन स्थलों की तुलना में यहां पर्यटकों की आवक कम होती है।

सबसे पुराना-बड़ा मठः लगभग 13,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित 'की मठ' स्पीति घाटी में सबसे पुराना और सबसे बड़ा मठ है। पहाड़ के ऊपर स्थित यह मठ कई मंजिला है, जिसकी तुलना अकसर लेह के निकट स्थित आइकॉनिक थिकसे मठ से की जाती है। अपने ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व के अतिरिक्त 'की गोंपा' अपनी सुंदर संरचना और शांत वातावरण के लिए भी विख्यात है।

निर्माण और नवीनीकरणः की गोंपा का निर्माण 11वीं सदी के आस-पास माना जाता है। इस मठ का गहरा संबंध बौद्ध संत लोचेन रिनचेन जंगपो के पूजनीय अवतारों से है, जो 958 से 1055 ईस्वी के बीच हुए थे। इसकी गहरी जड़ें प्राचीन कदंपा विरासत से भी जुड़ी हैं और इसे लोचेन तुलकुस विरासत की पीठ माना जाता है। इस विरासत के माध्यम से 'की मठ' 11वीं शताब्दी के विख्यात बौद्ध विद्वान और संत अतिशा दिपांकर से भी जुड़ जाता है।

इस मठ का पुनर्निर्माण 15वीं शताब्दी के शुरू में शेरपा जंगपो ने करवाया, जो गेलुग्पा समुदाय के संस्थापक जे त्सोंगखापा के शिष्य थे। पांचवें दलाई लामा के युग में यानी 17वीं शताब्दी में इस मठ पर मंगोलों ने हमला किया, जिसके बाद यह औपचारिक रूप से गेलुग्पा स्कूल (प्रमुख तिब्बती बौद्ध संप्रदाय) का हिस्सा बन गया। फिर 1820 के लद्दाख-कुल्लू टकराव के दौरान भी इसे नुकसान पहुंचा। 1841 में डोगरा सेना और सिख सेना ने इसे काफी नुकसान पहुंचाया। 1840 के दशक में इसमें भयंकर आग भी लगी थी। 1975 में आए भूकंप की वजह से भी इस मठ को काफी नुकसान पहुंचा था। तब आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया और स्टेट पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट ने इसकी मरम्मत कराई थी।

बहुत कुछ है दर्शनीयः 'की मठ' की बाहरी सुंदरता तो मनोरम और स्वार्गिक अनुभूति देने वाली है ही, मठ के भीतर भी बहुत कुछ ऐसा है, जो दर्शनीय है।

साल 2000 में 14वें दलाई लामा ने इस मठ में एक नए विशाल असेंबली हॉल का उद्घाटन किया था। इस हॉल की दीवारों पर कुछ बहुत ही सुंदर प्राचीन पेंटिंग्स लटकी हुई हैं, जो बुद्ध के पिछले जन्मों की कहानियों को व्यक्त करती हैं। मुख्य असेंबली हॉल के सामने पूजा करने का कमरा है, जिसमें एक विशाल पूजा चक्र है। इसके अलावा पद्मसंभव और अमितायुस की प्रतिमाएं भी हैं। 'की मठ' अपनी वॉल हैंगिंग्स और ऐतिहासिक कलाकृतियों के लिए विख्यात है। मठ के टॉप फ्लोर पर जो अपार्टमेंट है, वह दलाई लामा के लिए आरक्षित है। निचले माले पर मठ की रक्षा करने वाले देवताओं को समर्पित एक मंदिर है, जबकि उसके नीचे जो एक अन्य असेंबली हॉल है, उसे छोटे आयोजनों के लिए इस्तेमाल किया जाता है। यहां दुर्लभ धर्मग्रंथ, पुरानी वॉल पेंटिंग्स और भविष्य के बुद्ध मैत्रेय की मूर्ति भी है।

यात्रा का उपयुक्त समयः 'की मठ' की यात्रा के लिए आदर्श समय मई से अक्टूबर के बीच का है, जब यहां हल्की-सुहानी ठंड पड़ रही होती है। सड़कें खुली होती हैं और स्पीति वादी की सुंदरता अपने शबाब पर होती है। इस दौरान यहां का तापमान आमतौर से 10 डिग्री सेंटीग्रेड से 25 डिग्री सेंटीग्रेड के बीच में होता है।

ठंड के मौसम में तो यहां तापमान माइनस 20 डिग्री सेंटीग्रेड तक गिर जाता है। भारी बर्फबारी के कारण सड़कें बंद हो जाती हैं। हालांकि मठ तो खुला रहता है, लेकिन उस तक पहुंचना मुश्किल हो जाता है।

जो पर्यटक सांस्कृतिक अनुभव लेने की इच्छा रखते हैं, उन्हें अपनी यात्रा की योजना जुलाई में बनानी चाहिए, जब यहां चाम उत्सव का आयोजन किया जाता है। इस उत्सव में बौद्ध भिक्षु परंपरागत मुखौटा नृत्य करते हैं। यह नृत्य बुराई पर अच्छाई की विजय के प्रतीक रूप में किया जाता है। *

मौसम में गर्माहट घुलने के साथ ही युवाओं का फैशन और ड्रेसिंग स्टाइल बदलने लगा है। बदलते हुए फैशन ट्रेंड को देखकर लगता है कि इन गर्मियों में जेंडर न्यूट्रल फैशन का क्रेज रहेगा। यंगस्टर्स को यह फैशन ट्रेंड क्यों इतना भा रहा है?

इन गर्मियों में रहेगा जेंडर न्यूट्रल फैशन का क्रेज

ट्रेंड
प्रतिमा अरोड़ा

मार्च की शुरुआत के साथ ही हल्की गर्माहट जैसे वातावरण में फैली तो कॉलेज परिसरों, कैफे और शहर की सड़कों पर एक नया फैशन ट्रेंड दिखाई पड़ने लगा। यह है जेंडर न्यूट्रल फैशन। वास्तव में यह केवल ड्रेस का बदलाव नहीं, बल्कि सोच और पहचान का बदलाव भी है। अब फैशन यह नहीं पूछता कि आप मेल हैं या फीमेल। अब फैशन यह जानना चाहता है कि आप कौन हैं? भारत के युवा विशेषकर जेन-जी और नए प्रोफेशनल्स अब ऐसी ड्रेसेस चुन रहे हैं, जो आरामदायक हों, अभिव्यक्ति के अनुकूल हों और किसी जेंडर विशेष की सीमाओं में न बंधते हों।

बदल रही है फैशन की परिभाषा

लंबे समय तक फैशन की दुनिया स्त्री और पुरुषों के दो अलग-अलग खांचों में बंटी रही है। लेकिन हाल के सालों में फैशन के बीच जेंडर की यह दूरी धीरे-धीरे धुंधली होने लगी है। आज के युवा मानते हैं, ड्रेस शरीर के लिए होती है, किसी जेंडर विशेष के लिए नहीं। दिल्ली, मुंबई, पुणे और बैंग्लुरु के कॉलेजों में यह अब आम दृश्य है कि एक ही तरह के ओवर साइज शर्ट लड़कियां भी पहनती हैं और लड़के भी। वैसे ही ढीले ट्राउजर भी दोनों पहनते खूब दिखते हैं। जेंडर न्यूट्रल फैशन अब सिर्फ बड़े शहरों और सेलिब्रिटी क्लास की ही सोच नहीं दर्शाता बल्कि यह अवधारणा छोटे शहरों से लेकर मझोले शहरों और कस्बों तक में फैल रही है।

गर्मियों के लिए है उपयुक्त

जेंडर न्यूट्रल फैशन, किसी और मौसम में चाहे दोनों के लिए उपयुक्त न हो, लेकिन गर्मी के मौसम में यह ब्वॉयज और गर्ल्स दोनों के लिए आरामदायक फैशन माना जाता है। लूज ड्रेसेस, शरीर को जहां पसीने की परेशानी से दूर रखती हैं, वहीं लिनेन और कॉटन जैसे नेचुरल फैब्रिक, त्वचा के अनुकूल होते हैं। यही कारण है कि इन गर्मियों में लिनेन की शर्ट, कॉटन कुर्ते और ढीले ट्राउजर खूब लोकप्रिय होने जा रहे हैं।

ये कलर्स रहेंगे पॉपुलर

जेंडर न्यूट्रल फैशन की पहचान केवल डिजाइन या फैब्रिक से नहीं, रंगों से भी होती है। आने वाले दिनों में ब्राइट कलर्स की जगह, बेज, व्हाइट, ग्रे, ऑलिव ग्रीन और लाइट ब्लू जैसे प्लीजेंट कलर्स का बोलबाला रहने वाला है। क्योंकि ये कलर्स हमारी आंखों के साथ-साथ त्वचा और पूरे शरीर को गर्मी से राहत देते हैं। इन कलर्स की ड्रेसेस मेल-फीमेल सभी पर सूट करते हैं।

सोशल मीडिया का रोल

जेंडर न्यूट्रल फैशन की ओर झुकाव की एक बड़ी वजह सोशल मीडिया भी है। इंस्टाग्राम, यू-ट्यूब और पिंटरेस्ट जैसे सोशल साइट्स पर हजारों युवा इन दिनों फैशन कंटेंट खूब बना रहे हैं, जो जेंडर की सीमाओं को तोड़ते हैं। अब फैशन डिजाइनर ही फैशन ट्रेंड तय नहीं करते बल्कि कॉलेज के युवा, यंग प्रोफेशनल्स और कंटेंट क्रिएटर्स भी फैशन के नए ट्रेंड सेट कर रहे हैं। एक सिंपल ओवर साइज शर्ट और लूज ट्राउजर में बनी इंस्टाग्राम की वायरल रील भी लाखों युवाओं को यह फैशन अपनाने के लिए प्रेरित कर सकती है।

कंफर्ट-स्टाइल से कहीं बढ़कर

जेंडर न्यूट्रल फैशन, केवल कंफर्ट या स्टाइल का मामला नहीं है। इसे आत्मविश्वास और स्वतंत्र सोच से भी जोड़कर देखा जाता है। यह फैशन स्टाइल युवाओं को यह संदेश देता है कि वे अपनी पहचान स्वयं तय कर सकते हैं। आज के युवा फैशन को पारंपरागत ड्रेस पहनने के नियम का पालन करने के लिए नहीं, बल्कि अपनी सोच, पसंद और स्वतंत्रता को व्यक्त करने के लिए अपना रहे हैं। यही कारण है कि जेंडर न्यूट्रल फैशन, तेजी से युवाओं की पसंद बनता जा रहा है।

बदल रही फैशन इंडस्ट्री

यंगस्टर्स की पसंद को देखते हुए, देश के प्रमुख फैशन ब्रांड्स में भी अब जेंडर न्यूट्रल यूनिसेक्स कलेक्शन की बड़ी रेंज दिखती है। कई नए स्टार्टअप्स जेंडर-न्यूट्रल ड्रेसेस पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इससे यह स्पष्ट है कि फैशन उद्योग भी अब जेंडर न्यूट्रल जैसे बदलाव को स्वीकार कर चुका है। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले वर्षों में फैशन में मैन और वुमेन की बजाय ऑल या यूनिसेक्स जैसे सेक्शन हुआ करेंगे।

कह सकते हैं कि इस साल की गर्मियां अभी से यह स्पष्ट संकेत दे रही हैं कि फैशन अब जेंडर की सीमाओं से मुक्त हो रहा है। जेंडर न्यूट्रल फैशन न्यू एज फैशन का पसंदीदा ट्रेंड बनकर उभर रहा है। *

सिने ट्रेंड
अशोक वाधवाणी

दर्शकों को खूब आती हैं पसंद हॉरर-कॉमेडी कॉम्बो फिल्में

हालांकि शुरुआती दौर से ही बॉलीवुड में हॉरर फिल्में बनती रही हैं। लेकिन बीते कुछ वर्षों से हॉरर फिल्मों में कॉमेडी का कॉम्बो दर्शकों को काफी पसंद आ रहा है। यही वजह है कि ऐसी फिल्में लगातार बन रही हैं और दर्शकों को पसंद भी आ रही हैं। ऐसी ही कुछ हॉरर-कॉमेडी फिल्मों पर एक नजर।

बीते कई वर्षों से हिंदी फिल्मों में हॉरर, थ्रिलर के साथ कॉमेडी वाला तड़का दर्शकों को खूब अट्रैक्ट कर रहा है। रहस्य-रोमांच और साफ-सुथरी कॉमेडी पसंद करने वाले दर्शक इसे सपरिवार देख सकते हैं, क्योंकि इस तरह की फिल्मों में हॉरर और कॉमेडी का कॉम्बो देखने को मिल जाता है। यह इसका प्लस प्वाइंट है।

हॉरर-थ्रिलर-कॉमेडी का कॉकटेलः कुछ वर्षों से हॉरर कॉमेडी जॉनर की फिल्मों का दौर चल पड़ा है। ऐसी मूवी में ह्यूमर और हॉरर का कॉकटेल नजर आता है। अजय देवगन की 'गोलमाल अगेन' (2017) में हॉरर और कॉमेडी के साथ-साथ इमोशनल टच भी देखने को मिला। इसी थीम पर बेस्ड 'गो गोवा गॉन' (2013) फिल्म ने भी दर्शकों को बांधे रखा। यह गोवा में फिल्माई गई हॉरर, थ्रिलर और जॉम्बिज एक्शन वाली कॉमेडी मूवी है। वर्ष 2025 में रिलीज हुई 'थाम्मा' में आयुष्मान खुराना ने बेताल (पिशाच) की भूमिका निभाई। इसी फिल्म में नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने मनुष्यों का खून चूसने वाले खतरनाक विलेन का रोल निभाया। वर्ष 2024 में रिलीज्ड 'मुंज्या' भी एक कॉमेडी हॉरर फिल्म है। कोई बड़ा स्टार नहीं होने के बावजूद इस फिल्म ने दर्शकों के दिलों में जगह बनाई। इससे काफी पहले अमिताभ बच्चन की 'भूतनाथ' (2008) और 'भूतनाथ रिटर्न्स' (2014) भी सुपरनेचुरल कॉमेडी ड्रामा फिल्में थीं। इन दोनों ही फिल्मों की कहानी में नयापन था, ताजगी थी। साथ ही कलाकारों के जानदार अभिनय और कमाल के पिक्चराइजेशन ने दर्शकों को बांधे रखा। इसीलिए ये फिल्में सफल रहीं।

'स्त्री' ने कर दिखाया कमालः साल 2018 में आई हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'स्त्री' की सफलता ने इस ट्रेंड को सेट करने में बड़ा रोल निभाया। राजकुमार राव, श्रद्धा कपूर, पंकज त्रिपाठी जैसे कलाकारों के अभिनय से सजी इस फिल्म में हर घर के सामने लिखी लाइन 'ओ स्त्री, कल आना!' दर्शकों के दिलोदिमाग में घर कर गई। इस फिल्म के कई दृश्य दर्शकों के मन में आज भी तरोताजा हैं। 'स्त्री' की सफलता के बाद से इस तरह की फिल्मों का ट्रेंड-सा चल पड़ा। 2024 में आई 'स्त्री-2' भी दर्शकों की कसौटी पर खरी उतरी, इस फिल्म को भी बड़ी सफलता मिली।

इस साल आएगी 'भूत बंगला'ः इस साल हॉरर-कॉमेडी जॉनर में अक्षय कुमार की 'भूत बंगला' रिलीज होने वाली है। फिल्म के निर्देशक है प्रियदर्शन। ये वही प्रियदर्शन हैं, जिन्होंने साइकोलॉजिकल थ्रिलर 'भूल-भुलैया' बनाकर कैरेक्टर मोंजूलिका (विद्या बालन) को फेमस किया था। वैसे आपको बता दें कि कई दशक पहले साल 1965 में महमूद ने ब्लैक एंड व्हाइट 'भूत बंगला' बनाई थी, जिसमें हॉरर, थ्रिलर और कॉमेडी का मनोरंजक मेल था। उस दौर में ये अपनी तरह की नई पहल थी। उसे इस जॉनर की पहली फिल्म भी माना जाता है।

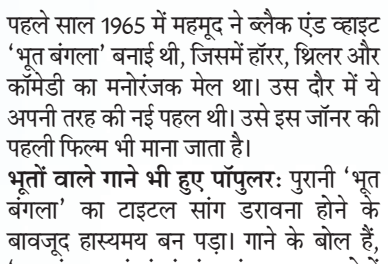

भूतों वाले गाने भी हुए पॉपुलरः पुरानी 'भूत बंगला' का टाइटल सांग डरावना होने के बावजूद हास्यमय बन पड़ा। गाने के बोल हैं, 'भूत बंगला, हां हां हां हां कहां आ गए हम दोनों।' इस गाने में महमूद और आर. डी. बर्मन के साथ भूतों को नाचते दिखाया गया है। महमूद, आर. डी. बर्मन और सुदेश की डरावनी आवाजें डराती कम, हंसाती-गुदगुदाती ज्यादा हैं। आने वाली 'भूत बंगला' में भी ऐसे ही एक गाने के बोल हैं, 'रामजी आकर सबका भला करेंगे।' इसमें अक्षय कुमार अजीबो-गरीब वेशभूषा में अजीब, अटपटी हरकतें करते हुए, भूतों के साथ नाचते-गाते दिखते हैं। दर्शकों के मन में सस्पेंस जगाने, डराने के लिए स्पेशल इफेक्ट का सहारा भी लिया गया है। यह कोई नया चलन नहीं है। ऐसे गीतों का सिलसिला काफी पहले से शुरू हो चुका है। फिल्म 'चाचा-भतीजा' (1977) में हेमा मालिनी और सोनिया साहनी पर फिल्माया गया गीत, 'भूत राजा बाहर आ जा। सीधी तरह से मान जा नहीं तो बजा दूंगी तेरा बैंड बाजा।' इसमें उनके साथ धर्मेंद्र और रणधीर कपूर भी हैं। आगे चलकर ऐसा ही गाना 'चालबाज' (1989) में श्रीदेवी और रजनीकांत पर पिक्चराइज किया गया। गाने के बोल थे, 'ओ भूत राजा फंस गई मुश्किल में, भूतों की महफिल में।' कविता कृष्णमूर्ती, सुदेश भोसले की आवाज में यह गाना मनोरंजक है। 'हाउसफुल-4' का 'द भूत सॉन्ग।' अलग-थलग अंदाज वाले गाने का रिमिक्स वर्जन है। मिका सिंह, फरहाद द्वारा गाए इस रैपनुमा गाने में बड़े, खर्चीले सेट और कई स्टार दिखाए गए हैं। इस दिलचस्प गाने को देखते-सुनते समय डर तो नहीं लगता, हां मजा जरूर आता है। इसीलिए यह गाना काफी हिट भी रहा।

हॉरर-कॉमेडी फिल्मों का फंडाः हॉरर फिल्मों में दिल दहला देने वाले दृश्य देखकर दर्शक कई बार अचंभित-भयभीत होते हैं। डर के मारे रोमांचित भी होते हैं। उसी समय उनका ध्यान कंवर्ट करने के लिए कॉमेडी सींस दिखाए जाते हैं। इससे वे भयमुक्त होकर हंसने लगते हैं। यही वजह है कि हॉरर, थ्रिलर, कॉमेडी का कॉम्बिनेशन दर्शकों को लुभा रहा है। इसी कारण धड़ल्ले से इनकी फ्रेंचाइजी फिल्में भी बन रही हैं। जैसे- 'भूल-भुलैया', 'स्त्री', 'भेड़िया', 'मुंज्या' आदि। *